मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष-4, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 223 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल

28 जनवरी 2024 रविवार

आज का मौसम

23 अधिकतम

11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

अब भाजपा के साथ बनाएंगे सरकार, शाम को दो डिप्टी सीएम के साथ शपथ

नीतीश की नौंवी पलटी, सीएम बनने के लिए सीएम पद से फिर इस्तीफा!

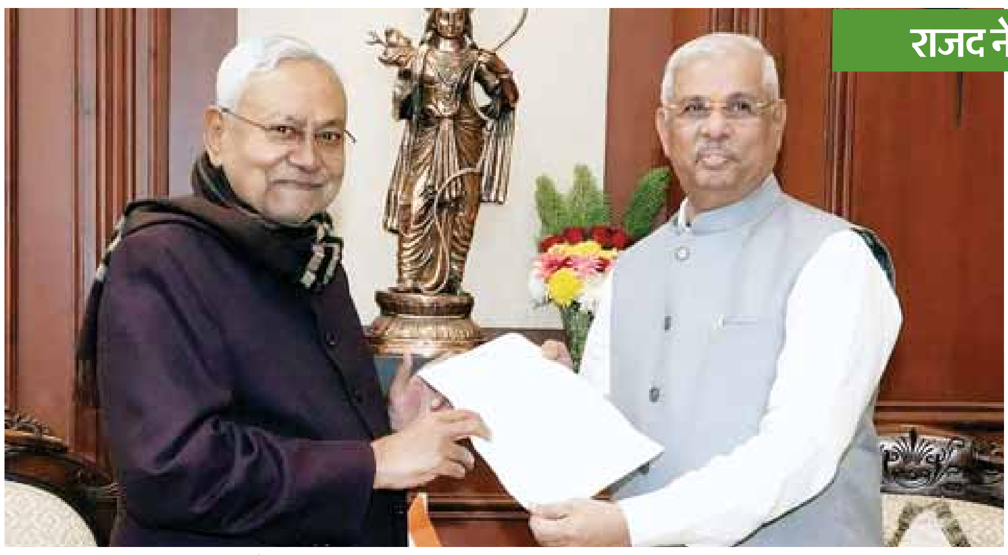

पटना, एजेंसी। बिहार में सियासी उथल-पुथल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज राजभवन पहुंचकर इस्तीफा दे दिया और अब वे भाजपा के एनडीए गठबंधन का हिस्सा बन गये। आज शाम वे फिर सीएम की शपथ लेंगे। इधर आरजेडी आरजेडी साफ कर चुकी है कि वह नीतीश कुमार से समर्थन वापस नहीं लेगी। नीतीश चाहे तो गठबंधन से बाहर निकल सकते हैं। हालांकि लालू और उनके बेटे तेजस्वी यादव संकेत दे रहे थे कि इस बार नीतीश कुमार को इतनी आसानी से पाला बदलने नहीं दिया जाएगा। लालू ने जीतन राम मांझी को पटाने की कोशिश भी जारी रखी थी। माना जा रहा है नीतीश को आरजेडी विधानसभा में बहुमत हासिल करने में रुकावट पैदा करेगी। बिहार विधानसभा में अभी स्पीकर आरजेडी का है।

दोनों तरफ तकलीफ थी:नीतीश

इस्तीफा देने के बाद नीतीश ने कहा कि 'काम नहीं होने दिया जा रहा था, वहां भी लोगों को तकलीफ थी यहां भी लोगों को तकलीफ थी इसीलिए हमने इस्तीफे का फैसला लिया।' आरजेडी के साथ भी ठीक नहीं चल रहा था, लेकिन हालात देखते हुए हमने बोलना भी छोड़ दिया था।

तेजस्वी की ब्रांडिंग शुरू

दूसरी तरफ अब तक नीतीश सरकार की सहयोगी लालू यादव की पार्टी आरजेडी ने बिहार के अखबारों में बतौर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के द्वारा किए गए कामों को गिनवाया है और लिखा है कि आपने कहा, आपने किया और आप ही करेंगे। उन्हें हाल में किए गए सभी कामों का क्रेडिट दिया गया है। अखबारों में छपे इस विज्ञापन में तेजस्वी के सरकार में रहने के दौरान किए गए कामों को दर्शाया गया है। विज्ञापन में 4 लाख नौकरियां,जातिगत सर्वे, 75 फीसदी आरक्षण की सीमा आदि काम के लिये उन्हें श्रेय दिया है।

राजद ने कहा -नीतीश की नैय्या डुबाएंगे

नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बिहार की राजनीति में हाई प्रोफाइल ड्रामा जारी है। इस्तीफे पर राजद नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, उनके पास बचा ही क्या था? जनता मालिक है। वह सब देखती है और हर चीज का हिसाब मांगेगी। तेजस्वी यादव ने जो काम किया है। हमारी पार्टी जनता के बीच जाएगी और एनडीए की नाव, नीतीश की नाव डूबेंगे।इससे पहले आरजेडी साफ कर चुकी थी कि वह नीतीश कुमार से समर्थन वापस नहीं लेगी। नीतीश चाहे तो गठबंधन से बाहर निकल सकते हैं। आखिर वही हुआ।

सम्राट और सिन्हा बनेंगे डिप्टी सीएम

बिहार में एनडीए गठबंधन वाली नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह शाम को पांच बजे राजभवन में होगा, जिसके लिए राजभवन में तैयारियां की जा रही हैं. इस हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के मुखिया जीतनराम मांझी भी अपने विधायकों के साथ एनडीए की बैठक में हिस्सा लेने के लिए सीएम हाउस पहुंच गए हैं. बीजेपी ने इस बार बिहार में बड़ा बदलाव किया है. पिछली बार बीजेपी ने पिछड़ी जाति से आने वाले तारकेश्वर प्रसाद और रेणु देवी को डिप्टी बनाया था तो वहीं इस बार भूमिहार समुदाय से आने वाले विजय सिन्हा और पिछड़ी जाति से आने वाले सम्राट चौधरी को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा।

खड़गे बोले- देश में आयाराम-गयाराम जैसे कई लोग हैं

नीतीश कुमार के इस्तीफे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'इसे लेकर मेरी तेजस्वी यादव से बात हुई तो उन्होंने बताया कि हम और आप मिलकर लड़ेंगे.तेजस्वी यादव ने कहा था मैं कोशिश करता हूं उनको (नीतीश कुमार) साथ रखने रखने का. हमने इंडिया ब्लॉक को साथ रखने के लिए कोशिश की. हमें जिस बात का अंदेशा था वो सच साबित हुआ. देश में आयाराम-गयाराम जैसे कई लोग हैं'।

पार्टी ने बनाया 67 का संयोग

राहुल के ऑटोग्राफ वाली टीशर्ट 670 में बेचेगी कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की खातिर पैसा जुटाने के लिए क्राउडफंडिंग कैंपेन चला रखा है। इसे पार्टी ने 'डोनेट फॉर न्याय' नाम दिया है। इस अभियान के तहत चंदा देने वालों को राहुल गांधी के ऑटोग्राफ वाली टी-शर्ट और यात्रा से जुड़ी कुछ अन्य सामग्री मिलेगी। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने बताया है कि राहुल की अगुवाई में यात्रा 67 दिनों तक चलेगी। ऐसे में कोई भी व्यक्ति न्यूनतम 67 रुपये या फिर 670 रुपये, 6700 रुपये, 67000 रुपये या फिर 6.7 लाख रुपये तक योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि 'डोनेट फॉर न्याय अभियान' शुरू होने के बाद कुछ घंटे के भीतर ही दो करोड़ रुपये की रकम जुटा ली गई। 670 रुपये या इससे अधिक का डोनेशन करने वाले को राहुल के साइन वाली टी-शर्ट मिलेगी। माकन के अनुसार, इससे पहले कांग्रेस की ओर से चलाए गए 'डोनेट फॉर देश' अभियान के तहत एक महीने में 17 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि एकत्र हुई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के अभियान का मकसद सिर्फ चंदा एकत्र करना नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लोकसभा चुनाव से पहले गोलबंद करना भी है।

सरमा बोले-यात्रा में राहुल के डुप्लीकेट का इस्तेमाल हुआ!

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा है कि वह जल्द ही राहुल गांधी के हमशक्ल का नाम-पता बताएंगे। हिमंत बिस्व सरमा ने बीते दिनों आरोप लगाया था कि असम में राहुल गांधी के नेतृत्व में निकाली जा रही भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी के हमशक्ल का इस्तेमाल किया गया।

अब जब उनसे उनके दावे को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा है कि वह जल्द ही हमशक्ल के नाम-पते की जानकारी साझा करेंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा जा रहा है कि असम में न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी की जगह बस से लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करने के लिए हमशक्ल का इस्तेमाल किया गया।

जल बंटवारे पर चर्चा करने जयपुर पहुंचे यादव

भोपाल/जयपुर। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव आज राजस्थान के जयपुर पहुंचे जहां उन्होंने राजस्थान सरकार से दोनों राज्यों के बीच नदी के जल बंटवारे को लेकर चर्चा की।इसके बाद मीडिया से चर्चा में मोहन यादव ने कहा कि 'राजस्थान और मध्य प्रदेश सरकार मिलकर हमारी नदियों के जल के बंटवारे को लेकर कुछ निर्णय करने जा रही हैं। यह निर्णय ना केवल दोनों राज्यों की बेहतरी के लिए होगा बल्कि इससे लाखों किसानों का जीवन भी बदलेगा।' मुख्यमंत्री जयपुर से दिल्ली पहुंच रहे हैं, जहां वे कुछ कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर भोपाल लौटेंगे।

बिना अनुमति जागरण में भगदड़ से कई घायल, एक मौत

मशहूर सिंगल प्रीबाक दे रहे थे प्रस्तुति

नई दिल्ली, एजेंसी। रात के 1.20 बजे का वक्त और दिल्ली के कालकाजी मंदिर का महंत परिसर, जहां माता का जागरण चल रहा था, मगर इसी दौरान कुछ ऐसा हुआ जिससे पूरे कार्यक्रम स्थल की पलभर में तस्वीर ही बदल गई। जानेमाने सिंगर बीप्राक जागरण में भजन गा रहे थे, डेढ़ हजार से ज्यादा लोगों की भीड़ उत्साह और जोश के साथ माता के जयकारे लगा रही थी। तभी कुछ लोगों ने स्टेज की ओर जाने की कोशिश की, देखते ही देखते परिसर में भगदड़ की स्थिति बन गई। लोगों के धक्के से कीर्तन वाला स्टेज भरभरा कर गिर गया। चीख पुकार मच गई लोग इधर उधर भागने लगे। इस भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई, वहीं 17 लोग जख्मी हो गए।

जानकारी के अनुसार, जो स्टेज गिरा वो लोहे के फ्रेम पर लकड़ी से बना था। जागरण में दो मंच बने थे। एक मंच पर मशहूर सिंगर बीप्राक परफॉर्म कर रहे थे। वो मंच पर भजन गा रहे थे। इसी दौरान कुछ लोग उनकी ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस भी मौके पर मौजूद थी। लेकिन देखते ही देखते भीड़ बेकाबू हो गई । हादसे के बाद बीप्राक और उनकी टीम पीछे चली गई। अब बीप्राक ने भी वीडियो जारी कर मैनेजमेंट पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इतने बड़े इवेंट के लिए सुरक्षा की ध्यान रखना जरूरी है। बताया जाता है कि यह जागरण 26 साल से हो रहा है। इसके लिये पुलिस की अनुमति नहीं ली गई थी,अब आयोजकों पर केस दर्ज हुआ है। मृत महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

सबसे बड़े रईस की कुर्सी खतरे में, रोज गंवाए एक अरब डॉलर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कुर्सी खतरे में है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 30.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। मस्क ने रोजाना एक अरब डॉलर से अधिक गंवाए हैं। पिछले साल मस्क दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स थे। उनकी झोली में कैलेंयर ईयर 2023 में 92 अरब डॉलर की रकम आई थी। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ अब 199 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में नंबर एक का ताज गंवाने के करीब पहुंच गए हैं। मस्क की कंपनी टेस्ला भी मार्केट कैप के लिहाज से दुनिया की टॉप 10 कंपनियों से बाहर हो चुकी है। हालांकि फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलिनेयर लिस्ट की मानें तो मस्क पहले यह ताज गंवा चुके हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट उनसे आगे निकल चुके हैं।

ग्वालियर में परिवार के 3 लोगों की फंदे पर मिली लाश

ग्वालियर। शहर के सिरोल हारखेड़ा इलाके में आज एक ही परिवार के तीन सदस्यों की लाश फंदे पर लटकी मिली है। इसका आज 11 बजे पुलिस को पता चला। आशंका है कि शनिवार रात परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की है। आसपास के लोगों का कहना है कि परिवार शनिवार शाम से नहीं दिखा। पुलिस मौके पर है। बताते हैं कि सिरोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुरावली इलाके में रहने वाला जितेंद्र झा मजदूरी करता है। जितेंद्र के साथ उसकी पत्नी त्रिवेणी और बेटा अचल झा रहते थे। दो दिन से इनका घर बंद था। रविवार सुबह आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध आ रही थी। इसके बाद लोगों को संदेह हुआ तो पुलिस को सूचना दी गई।

छात्रावास अधीक्षक के घर मिला सरकारी अनाज का वाहन

छिंदवाड़ा। चौरई अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के लिए जारी किए गए राशन का गोलमाल सामने आया है छात्रावास के लिए राशन दुकान से निकला अनाज का छात्रावास अधीक्षक के घर से जब्त किया गया अधिकारियों ने वहां और राशन को जब्त कर थाना में खड़ा करवाया है।खबरों के मुताब्कि नगर की गुड मंडी स्थित राशन दुकान से नगर के अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के लिए 3.30 क्विंटल चावल और साडे 13 क्विंटल गेहूं का आवंटन किया गया था।

मेट्रो एंकर

इंटरव्यू में फेल हुए तो जला दिए सर्टिफिकेट, कंपनी बनाई तो कई बड़े कारोबारी बने भागीदार!

नई दिल्ली, एजेंसी। जब कुछ अलग करने का जज्बा हो और लक्ष्य तय कर लिया जाए तो आगे की राह आसान होने लगती है। बिहार के रहने वाले दिलखुश नामक युवक ने यही किया है जिसकी बदौलत उसे अब बड़े कारोबारियों का साथ मिल गया है। उसने तो मैट्रिक पास करने के बाद नौकरी के लिए इंटरव्यू दिया था लेकिन उसमें फेल होने के बाद अपने सारे सर्टिफिकेट ही जला दिए। क्योंकि उसके दिमाग में कुछ अलग करने का आइडिया उमड़ने लगा। लिहाजा दिलखुश ने यूट्यूब से कोडिंग सीखी और अपनी कैब सर्विस कंपनी खड़ी कर दी। अब उनकी इस कंपनी रोडबेज को शार्कस का साथ मिला है। दरअसल भारत के चर्चित बिजनेस शो शार्क टैंक इंडिया सीजन-3 के तीसरे एपिसोड में बिहार के दिलखुश आए और उन्होंने शो में मौजूद शार्क्स को अपना मुरीद बना लिया। उनकी कंपनी कैब सर्विस मुहैया कराती है। उन्होंने कंपनी शुरू करने के लिए कोई कोर्स या ट्रेनिंग नहीं की।

शार्क जजों ने इन्वेस्ट किए लाखों रुपए

इसी प्रयास से शार्क टैंक के जज खासे प्रभावित हुए और उनकी कंपनी में लाखों रुपये इन्वेस्ट कर दिए। जज अमन गुप्ता ने इस कैब सर्विस प्लेटफॉर्म की जमकर तारीफ की और दिलखुश से कहा कि आपने जो काम बिल्कुल फ्री में किया है, उसी काम को करने के लिए ओला और उबर जैसी कंपनियों को करोड़ों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इस दौरान अन्य जज रितेश अग्रवाल और नमिता थापर ने उनकी कंपनी रोडवेज को 20 लाख रुपये दिए हैं और 30 लाख रुपये 5 फीसदी ब्याज पर इन्वेस्ट किए हैं। इससे दिलखुश की इस कंपनी की वैल्यू भी बढ़कर 4 करोड़ रुपये हो गई है।

कंपनी बनाने की दिलचस्प कहानी

दिलखुश के पिता बिहार रोडवेज में काम करते थे और इसी से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी कंपनी का नाम रोडबेज रखा। दिलखुश ने मैट्रिक पास के बाद एक कंपनी में नौकरी के लिए इंटरव्यू दिया था,तो वे एप्पल कंपनी के लोगो को नहीं पहचान पाए और उन्हें फेल कर दिया गया था। तब उन्होंने खुद का लक्ष्य तय किया। जुलाई 22 में बिहार की राजधानी पटना को हर गांव और शहर से जोड़ने के लिए उन्होंने Rodbez ऐप की शुरुआत की। यह कैजुअल काम नहीं करती, बल्कि ऐप में ड्राइवर अपना रूट और यात्री अपना गंतव्य डालते हैं, यानी जिस तरफ ड्राइवर जा रहा है और उसी तरफ यात्री को जाना है, तो एक स्थान पर मिलकर ये राइड पूरी होती है।बड़ा फायदा ये होता है कि जहां यात्री को दोनों तरफ का किराया नहीं देना होता और ड्राइवर को भी एक तरफ से खाली गाड़ी लाने का झंझट नहीं रहता।

आवारा कुत्ते-मित्र या आतंक

■ एन के त्रिपाठी

भोपाल के मीनाल रेजिडेंसी क्षेत्र में एक छह माह के शिशु को कुछ कुत्तों ने हमला करके मार दिया और वीभत्स तरीक़े से उसका एक हाथ खा लिया। शिशु का दोष यह था कि वह एक ग़रीब श्रमिक महिला की बेटी थी जिसे मज़दूरी करते समय उसकी माँ ने उसे दूर रख दिया था। उसका यह भी दोष था कि उसने ऐसे देश में जन्म लिया, जहाँ नागरिकों की सुरक्षा से स्थानीय निकायों को कोई सरोकार नहीं रहता है। एक अन्य पॉश इलाक़े में एक शाम को ही एक कुत्ते ने 20 लोगों को काट लिया। ये कोई अनोखी घटनाएँ नहीं थी। भारत के सभी शहरों में ये कुत्ते, जिन्हें स्ट्रीट डॉग या आवारा कुत्ते कहा जाता है, अनियंत्रित हो गए हैं तथा उनके हमलों में अनेक लोगों ने जान गँवाई है या घायल हुए हैं। इनमें 20त छोटे बच्चे होते है। आवारा मवेशी की तरह कुत्तों पर भी भारत की कोई भी स्थानीय निकाय इनका उन्मूलन नहीं कर सकी है। वास्तव में ये कुत्ते भी दुर्भाग्यशाली हैं। यद्यपि स्मार्ट सिटी बनाने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन इन दुर्भाग्यशाली जानवरों के लिए लचर कार्रवाई उसी प्रकार होती है जैसे शहरी नालों की सफ़ाई, शहर के अनेक क्षेत्रों में लाइट व्यवस्था, भारत के अधिकांश शहरों की सफ़ाई तथा हर घर को स्वच्छ जल प्रदाय करने की कार्रवाई होती है। स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल दो चार सौ एकड़ में बिल्डर की तरह काम करना है। एकांत पार्क के कुत्तों से भयभीत होकर मैंने सोशल मीडिया में एक खुला पत्र प्रशासन के नाम लिखा था, जिस पर तनिक भी कार्रवाई नहीं हुई।

भोपाल में डेढ़ से ढाई लाख आवारा कुत्तों का अनुमान किया गया है। पूरे भारत के शहरों और कस्बों में छह करोड़ से अधिक आवारा कुत्ते हैं। पालतू कुत्तों की संख्या इनसे आधी है। आवारा कुत्तों की जनसंख्या का विस्फोट कुछ ही दशक पहले तब हुआ, जब भारत के आकाश से गिद्ध विलुप्त होने लगे और मृत जानवरों और पक्षियों को खाने का पूरा अवसर केवल इन कुत्तों को प्राप्त हुआ। इस वातावरण में इनकी एक मादा वर्ष में 20 तक बच्चे दे सकती है। शहरों की बढ़ती आबादी में होटल और खाने पीने के ठेले से फेंका गया खाना भी इन्हें उपलब्ध हो रहा है। इसके अतिरिक्त कुछ पैट लवर भी कुत्तों को भोजन कराते हैं। अधिकांश कुत्तों के झुंड इन भोजन के इन स्रोतों के आस पास ही मंडराते रहते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व के 36 पर्सेंट लोगों की मृत्यु रैबीज़ से केवल भारत में होती है। हमारे नैशनल रैबीज़ कंट्रोल प्रोग्राम के एक प्रतिवेदन में कहा गया है कि 2012 से 2022 के बीच में 6,644 लोगों की रैबीज़ से मृत्यु हुई है। इतना कम आँकड़ा अविश्वसनीय है। कुत्तों की ये सामान्य प्रवृत्ति है कि वे अपना भोजन इधर उधर घूमते हुए ढूँढ कर करते हैं शहरों में इसके लिए वे दो-तीन किलोमीटर घूमते रहते थे। अब भरपूर भोजन एक ही स्थान पर मिल जाने से इन्हें बिना परिश्रम किये भोजन मिलता रहता है, जिससे इनका मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है। पैट लवर की वजह से यह समस्या और बढ़ गई है। ये कुत्ते अपने छोटे से क्षेत्र की रखवाली के लिए इतने आक्रामक हो जाते हैं कि प्रत्येक हिलती चीज़ पर अनावश्यक हमला कर बैठते है।

नसबंदी का यह तरीका लाभकारी नहीं: आवारा कुत्तों की समस्या विश्वव्यापी है। 2001 के नियमों के अनुसार भारत में अब किसी भी कुत्ते को जान बूझकर मारा नहीं जा सकता है। पाकिस्तान में अनेकों कुत्तों को मारने के बाद भी उनकी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। यहाँ तक कि अमेरिका जैसे उन्नत और जागरूक देश में भी वर्ष 2016 में 8,66,366 कुत्तों को बेहोश करके दया मृत्यु दे दी गई।

भारत के शहरों में इन्हें कम करने का सर्वोत्तम उपाय इनकी नसबंदी तथा उसके बाद टीकाकरण करने की है। इससे कुत्ते हिंसक भी नहीं रह जाते हैं। यह काम बहुत श्रम साध्य और अत्यधिक तकनीकी है। नसबंदी की गति भी इनके पैदा होने की गति से अधिक होनी चाहिए, जो हमारे नगर निगमों के बूते के बाहर है। तकनीकी समस्या यह है कि कुत्तों का अपना एक झुंड होता है और वे एक क्षेत्र पर एकाधिकार करके रहते हैं। नसबंदी के लिए ऐसे छोटे छोटे झुन्डों के सभी कुत्तों को एक साथ पकड़ कर नसबंदी करनी होगी और इसके बाद उन्हें उसी क्षेत्र में ही छोड़ना होगा। दूसरे शब्दों में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बेतरतीब तरीक़े से पकड़कर लाए गए कुत्तों की नसबंदी से किसी प्रकार का कोई लाभ नहीं होने वाला है। इसलिए छोटे-छोटे क्षेत्रों के एक बड़े समूह को लेकर यह कार्यक्रम चलाया जाना आवश्यक है। भोपाल में नसबंदी और टीकाकरण के लिए कुछ सुविधाएँ बनाई गई हैं। ये अपर्याप्त हैं। दबे स्वरों में यह भी शिकायत आती है कि इन अपर्याप्त सुविधाओं का भी प्रयोग फ़र्ज़ी आंकड़ों के आधार पर हो रहा है। नगर निगम की प्राथमिकताओं में कुत्ते का स्थान बहुत नीचे है। शहरों और मोहल्लों को साफ़ रखने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को राष्ट्रीय आह्वान करना पड़ा। हर्ष का विषय है कि मध्य प्रदेश ने इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। लेकिन भारत का विशाल भूभाग उनके कार्यक्रम से बहुत दूर है। बंगाल ने तो गंदगी दूर करने के लिए कोई प्रयास ही नहीं किया है। फिर भी, कुत्तों के लिए शायद मोदी को ही एक नये अभियान का बिगुल फूँकने की आवश्यकता है।

सबसे पहला मित्र...: लगभग साढ़े सात लाख वर्ष पहले जब वनमानुष ने मानव जैसे बने हमारे पूर्वजों ने पेड़ों से उतरकर भूमि पर चलना प्रारंभ किया तब सबसे पहला उसका मित्र कुत्ता था। कुत्ता उसे शिकार तथा सुरक्षा दोनों में विश्वस्त मित्र और सेवक की तरह काम करता था। इतनी पुरानी अवधि की कल्पना करना बहुत कठिन है, क्योंकि घोड़ा तथा अन्य मवेशी केवल चार से आठ हज़ार वर्ष से ही मनुष्य के साथ है। कुत्ते की स्वामी भक्ति की अनेक कहानियां किंवदंती बन चुकी है। पालतू और आज्ञाकारी कुत्ता बहुत प्यारा लगता है।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

भोपाल। भोपाल के लाल परेड मैदान में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर तैयारी करते कर्मचारी

नए भवन के कार्य, प्रस्ताव पर आई आपत्तियों में उलझी फाइल, टीम समाधान में जुटी

जेपी अस्पताल में नई कार्डियक यूनिट के लिए करना होगा 6 माह का इंतजार

राजधानी में अभी सिर्फ हमीदिया और एम्स अस्पताल में ही व्यवस्थित कार्डियक यूनिट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के जेपी अस्पताल में मरीजों को नई कार्डियक यूनिट के लिए फिलहाल 6 माह का इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि इसकी फाइल अटक गई है। बताया जा रहा है कि जेपी अस्पताल में नया भवन बनकर तैयार हो रहा है, जिसके कारण नई कार्डियक यूनिट तैयार होने में देरी हो रही है। वहीं कार्डियक यूनिट के प्रस्ताव में कई तरह के सवाल भी खड़े हो रहे है। जिसके समाधान करने के लिए टीम लगी हुई है। यूनिट का सेटअप काम शुरू होने के बाद भी पूरी तरह स्थापित होने पर छह माह का समय लगेगा। ऐसे में यह यूनिट स्थापित होने में अप्रैल और जून 2024 में समय लग सकता है। ऐसे में मरीजों को दिल से जुड़ी बीमारियों के इलाज के साथ एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं अब 6 माह बाद ही मिल सकेंगी। बता दें कि राजधानी में अभी सिर्फ हमीदिया और एम्स अस्पताल में ही व्यवस्थित कार्डियक यूनिट हैं। लेकिन इन अस्पतालों में मरीजों को भीड़ रहती है, ऐसे में हार्ट के मरीजों को निजी अस्पताल जाना पड़ता है।

काम दिसंबर 2023 में शुरू हो जाना था

विभागीय जानकारों ने बताया कि इस यूनिट का काम दिसंबर 2023 में शुरू हो जाना था। लेकिन अब इसमें तीन से चार माह का अतिरिक्त समय लगेगा। प्रपोजल को लेकर कई प्रश्न सामने आए हैं। जिसका हल किया जा रहा है। इस यूनिट में 50 बिस्तरों की एडवांस्ड कार्डियक यूनिट का प्रस्ताव है। इस यूनिट में हार्ट सर्जरी की सुविधा भी आम मरीजों के लिए उपलब्ध कराने की भी योजना है।

जीव सेवा संस्थान ने दिव्यांग गोविंद को व्हील चेयर दी

हिरदाराम नगर। समाज सेवी संस्था ÷जीव सेवा संस्थान÷ ने गांधीनगर भोपाल स्थित सेवा भारती गांधी आश्रम में रहने वाले दिव्यांग छात्र गोविंद मेवाडा को परोपकारी सुधीर नचनानी द्वारा व्हील चेयर प्रदान की गई। संस्थान की यह पहल समाज के प्रति उसकी इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह समाज के कमजोर वर्ग के लोगों के लिए समान अवसर और सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।

बता दे जीव सेवा संस्थान विगत 30 वर्षो से समाज सेवा में संलग्न है और अब तक अपनी सहयोगी संस्थाओं के साथ 45 लाख से भी अधिक लोगों के जीवन को किसी न किसी सेवा रूप में स्पर्श कर चुका है। संस्थान पूर्व से ही सेवा भारती गांधी आश्रम में रहने वाले बच्चों को उनके स्कूलों के माध्यम से शिक्षा सहायता भी प्रदान करता आ रहा है तथा इस तारतम्य में स्कूल के बच्चों के स्कूल आने जाने के लिये स्कूल को एक मेजिक ऑटो भी प्रदान किया था।

गणतंत्र उत्सव में गाए देशभक्ति के तराने

हिरदाराम नगर। मॉर्निंग वॉक एंड सिंगिंग ग्रुप, संतनगर द्वारा गणतंत्र दिवस पर देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें विशेष अतिथि कर्नल नारायण पारवानी एवं सतीश बत्रा, अध्यक्ष, प्रेस क्लब रहे। कर्नल पारवानी जी ने गणतंत्र दिवस पर युवाओं में जोश एवं देश प्रेम जागृत करने के लिए देश भक्ति गीतों का कार्यक्रम रखने के लिए कार्यक्रम के आयोजक श्री रामचंद सभनानी को बधाई दी। सभनानी ने कर्नल पारवानी एवं बत्रा जी का शाल पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में श्री चुन्नीलाल जेठानी, सुरेश मीरचंदानी, हरनाम पेसवानी, राकेश तुलसियानी, लक्ष्मण रामरखयानी,वीरूमल लखानी, खूबचंद मोहनानी, विवेक नागरकर, मीता श्रीवास्तव, शोभा लहरिया, रश्मि दुबे, वरिष्ठ सिंगर लईक अहमद, शबीर अहमद, अधिवक्ता उमेश शिरोमणि द्विवेदी, दीपक दीवाना, शांति

रायकवार, जेठानंद तेजवानी एवं अन्य कलाकारों ने देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी।

वहीं, सिंधी समाज सेवा ट्रस्ट ने गणतंत्र दिवस पर झंडावंदन किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सुशील वासवानी ने झंडे को सलामी दी गई। इस मौके पर ट्रस्ट के सचिव रामचंद सभनानी, ट्रस्टी शंकरलाल असुदानी, नारायणदास सभनानीव अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

भाभा विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह कुलपति प्रो. दिलीप कुमार डे की अध्यक्षता में जोर शोर से मना। सीईओ प्रसाद पिल्लई ने भी संबोधन दिया। कुलसचिव डॉ. श्याम पाटकर ने विश्वविद्यालय की वार्षिक विवरण प्रस्तुत की।

75 वां गणतंत्र दिवस

स्कूलों में बच्चों ने देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

संतनगर में देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता का संकल्प दोहराया

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर और गांधीनगर में 75वां गणतंत्र दिवस परंपरागत तरीके से मनाया गया। जगह-जगह झंडावंदन हुआ। स्कूलों में बच्चों ने देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अतिथियों ने झंडावंदन कर राष्ट्र प्रेम का आव्हान किया। सामाजिक संस्थाओं में भी झंडावंदन किए गए।

मिठी-नवनिध में आयोजन

दोनों संस्थाओं ने संयुक्त रूप से 75वाँ गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि डॉ. के एस बुधवानी सर्जन एवं डायरेक्टर ,केयर इन्फिनिटी हॉस्पिटल, भोपाल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। नवनिध स्कूल की 200 छात्राओं ने भोपाल के लाल परेड मैदान पर महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के समक्ष देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक नृत्य ''सर पे हिमालय का छत्र है'' का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यासागर पब्लिक स्कूल:विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्वांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी मेमोरियल प्ले स्कूल में गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी द्वारा ध्वजारोहन किया गया। इस अवसर पर कक्षा प्री-नर्सरी एवं नर्सरी के नन्हें-मुन्ने बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पुरस्कृत किया गया। **साधु वासवानी स्कूल:** 75वें गणतंत्र दिवस परंपरागत तरीके से मनाया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा, शिक्षाविद् विष्णु गेहानी व अन्य अतिथियों ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर भव्य रैली निकाली गयी। जिसमें विद्यार्थी बेनर रंग-बिरंगी टोपियाँ पहने हाथों में तिरंगे झण्डे लेकर 'जय जवान, जय किसान' 'भारत माता की जय 'आदि नारों की तख्तियाँ हाथों में लिए रैली नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई स्कूल प्रांगण में पहुंची। विद्यार्थियों ने पी.टी. व मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। खेलों एवं दीया, मटकी, ग्रीटिंग, रंगोली सजाओं प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया उन विद्यार्थियों को आए हुए अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

संस्कार पब्लिक स्कूल: गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा, म.प्र. आवास संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं संस्था के अध्यक्षसुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी व अन्य विशिष्टजनों ने ध्वजारोहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। विधायक शर्मा ने कहा कि आज हम यह संकल्प लेते है कि हमारा तिरंगा सूरज, चांद, धरती, समुंद्र एवं पर्वतों पर भी लहराएगा। जिस दिन सिंध, बंगाल और पाकिस्तान हमारे भारत में मिल जाएगा और हर जगह राष्ट्रगान गाया जाएगा उस दिन हमारे देश का अखंड भारत का सपना पूरा हो जाएगा।

नव युवक सभा: अनन्दराम टी. शाहनी कन्या विद्यालय एवं सिंधु माध्यमिक विद्यालय ,डी.डी प्ले स्कूल वन ट्री हिल्स ,पंडित दीन दयाल उपाध्याय महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा व प्रबंध समिति के पदाधिकारियों ने झंडा वंदन व राष्ट्रगान के साथ किया गया एन.सी.सी. कैडेट्स ने मार्च पास्ट किया। शहर में रैली भी निकाली गई।

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल

चिल्ड्रेन्स होप इंडिया गर्ल्स स्कूल, गाँधीनगर में गणतंत्र का पर्व मनाया गया। मुख्य अतिथि एपी सिंह संकुल प्राचार्य एवं लक्ष्मण सिंह राजपूत पार्षद ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम में सिद्धभाऊजी का संदेश वाचन किया गया। प्राचार्या प्रिया जैन शर्मा, संस्था के अकादमिक निदेशक गोपाल गिरधानी ने अपने विचार रखे। छात्राओं ने राष्ट्र प्रेम एवं देशभक्ति पर आधारित रंगारंग नृत्य, भाषण, कविता एवं गायन की प्रस्तुति दी।

एलवीएस सोसायटी: सोसायटी की शिक्षण संस्थाओं में गणतंत्र दिवस परंपरागत त तरीके से मनाया गया। पार्षद लक्ष्मण राजपूत एवं समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी ने झण्डा वंदन किया। विद्यालय में पी.टी.प्रदर्शन, परेड व राष्ट्गान के बाद विद्यालयों का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सचिव श्री रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी, प्रशासनिक अधिकारी नीलेश हिंगोरानी एवं प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत किया।

यहां भी हुए आयोजन: महानगर नागरिक सहकारी बैंक, संत हिरदाराम नगर ने बैंक मुख्यालय में बैंक के अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष मध्यप्रदेश राज्य सहकारी आवास संघ सुशील वासवानी ने झण्डावंदन कर झण्डे को सलामी दी। उन्होंने कहा, देश प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत अनेकानेक उंचाइयों को छू रहा है। इस अवसर पर बैंक के मुख्य कार्यपालक प्रकाश आसूदानी, बैंक कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। - लाइफ लाइन स्कूल की तीनों ब्रांचों में प्राचार्य किरण वाधवानी ने झंडा फहराया। बच्चों ने प्रभातफेरी भी निकाली। बच्चे फेंसी वेशभूषा में भारत माता, फौजी, झांसी की रानी, श्रीराम का रूप रखकर स्कूल आए।

स्कूलों ने पोर्टल पर दर्ज नहीं की बच्चों की जानकारी, 15 फरवरी तक का अल्टीमेटम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश सरकारी, निजी स्कूलों सहित मदरसों में 6 मार्च से 5वीं और 8वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जाएंगी। बोर्ड पैटर्न पर आयोजित इन परीक्षाओं को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। हालांकि अब तक स्कूलों ने पोर्टल पर विद्यार्थियों का सत्यापन, परीक्षा सामग्री, प्रश्न पत्र का मुद्रण आदि कार्य पूरा नहीं किया है। ऐसे में राज्य शिक्षा केंद्र ने स्कूलों को 15 फरवरी तक सभी जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। सभी विद्यार्थियों को समग्र आईडी के आधार पर मैपिंग करना है। स्कूलों को विद्यार्थियों के पंजीयन के बाद छमाही परीक्षा प्राप्तांकों को विषयवार ऑनलाइन पोर्टल पर भरना है। 5वीं व 8वीं में प्रत्येक विषय का 60 अंक का प्रश्न पत्र और 20 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा। वहीं 20 अंक छमाही व तिमाही के प्राप्तांक के अधिभार पर दिए जाएंगे। वहीं एक जन शिक्षा केंद्र में तीन परीक्षा केंद्र बनाया जाना है। इसमें 100 परीक्षार्थियों पर एक केंद्र का निर्धारण करना है। इस कार्य को 20 फरवरी तक पूरा करना है।

राज्य शिक्षा ने केंद्र पांचवीं और आठवीं की परीक्षाओं को लेकर जारी किए निर्देश

एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित

सरकारी स्कूलों में परीक्षाएं एससीईआरटी निर्धारित पाठ्यक्रम के आधार पर कराया जाएगा। वहीं जिन निजी स्कूलों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम आधारित भाषा की पाठ्य पुस्तकें लागू हैं, उन विद्यार्थियों के प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाषा की परीक्षा एनसीईआरटी पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी।

निजी स्कूलों को विकल्प चयन करना होगा

निजी स्कूलों को भाषा के प्रश्न पत्र के लिए एनसीईआरटी व एससीईआरटी का विकल्प चयन करना है। विद्यार्थियों को पंजीयन के समय ही विषय व भाषा का चयन करना है। विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन प्रोजेक्ट कार्य पर आधारित 10 फरवरी तक जमा करना है।

पंचायतों के कामों की ऑनलाइन निगरानी में कई जिले पिछड़े

ऑनलाइन फीड करनी होती है कामों की जानकारी, लेकिन जिले पंचायतों से नहीं करवा पा रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो। पंचायतों से भ्रष्टाचार मिटाने के लिए कामों की ऑनलाइन निगरानी शुरू हुई है, लेकिन ज्यादातर जिले इस काम को नहीं करवा पा रहे हैं। नतीजा यह है कि काम पुराने ढर्रे पर ही किए जा रहे हैं, कई कामों की तो शुरूआत तक नहीं की गई तो जो काम चल रहे हैं उनकी गुणवत्ता पर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

कागजों में काम करने की नहीं गई आदत कई पंचायतों के सरपंच, सचिवों पर लाखों रुपये के गोलमाल के आरोप है। इनमें से कुछ आरोप तो सही पाए गए हैं और ऐसे सरपंच-सचिवों पर लाखों रुपये की रिकवरी भी निकली है, जिसे ये भर नहीं पा रहे हैं। असल में ऐसी पंचायतों में कई काम कागजों पर हो जाते थे और रुपये भी निकाल लिए जाते थे। इस पर रोक लगाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने कामों की निगरानी ऑनलाइन करनी शुरू की है। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक एक काम की तीन बार जियो टैकिंग करनी पड़ती है। पहली टैकिंग काम शुरू होने से पहले उस स्थल पर जाकर करनी होती है जहां काम होना है। दूसरी टैकिंग 30 से 50 प्रतिशत काम पूरा होने पर की जाती है। तीसरी टैकिंग काम पूर्ण होने और सीसी जारी होने के बाद की जाती है। यदि इन तीन स्तरों पर टैकिंग नहीं की तो भुगतान रोक दिया जाता है। यही काम जिला स्तर के अधिकारी पंचायतों से नहीं करवा पा रहे हैं।

इन कामों की जानकारी करनी है ऑनलाइन

ग्राम पंचायतों में बनाई जा रही सीसी रोड, पेयजल पानी टंकी, लघु तालाब, मेंढ़ बंधान, भवन निर्माण जैसे कामों के फोटो जियो टैग के साथ पंचायत दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन करनी है। इन कामों की स्थिति को विभाग के अधिकारी के साथ-साथ आम नागरिक भी देख सकते हैं और गड़बड़ी दिखाई देने पर रुकवा सकते हैं। केवल इन जिलों की स्थिति अच्छी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, इंदौर, भोपाल, मंदसौर, दमोह, रतलाम, नीमच, निवाड़ी, अलीराजपुर, टीकमगढ़, बालाघाट ही आगे है।

केंद्र और राज्य से मिलता है लाखों का बजट

सरकार का पूरा फोकस पंचायतों को समृद्ध बनाने पर है ताकि स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिल सके और पंचायतें मुख्य धारा से जुड़ सकें। इसके लिए मप्र और केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के तहत इन्हें हर साल लाखों रुपये का बजट दे रहा है। कुछ पंचायतें तो इस राशि का उपयोग ठीक से कर रही है लेकिन कुछ ऐसी भी पंचायतें हैं जो कागजों में काम दिखाती है और शत-प्रतिशत राशि आहारित कर ली जाती है।

अधिकारियों को भी वसूली के दायरे में लाया जाए

पंचायतों में भारी भ्रष्टाचार से जुड़े सैंकड़ों मामले जिला पंचायत स्तर पर आते रहते हैं। इनमें कुछ में सरपंच-सचिवों पर वसूली के आदेश भी जारी होते हैं लेकिन इन कामों को कराने और उनका मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं होती हैं। लोगों का कहना है कि जब सरपंच, सचिव पर वसूली अधिरोपित की जा रही है तो काम का मूल्यांकन करने वाले अधिकारियों को क्यों छोड़ा जा रहा है।

अब वन राज्य मंत्री को भी देनी होगी वाइल्ड लाइफ बोर्ड में जगह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र वाइल्ड बोर्ड में अब वन राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार को भी जगह देनी होगी। अभी तक इस बोर्ड में केवल वन मंत्री को ही जगह मिलती थी। राज्य में वनों का संरक्षण और सुरक्षा से जुड़े विषयों को लेकर यह बोर्ड अहम होता है। बड़ी परियोजनाओं को लेकर यह निर्णय लेता है। इसका कार्यकाल लंबे समय से खत्म् हो चुका है लेकिन अब तक इसका गठन नहीं हुआ है। इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होते हैं। असल में पहले से उपाध्यक्ष की भूमिका स्पष्ट है। बोर्ड में यह पद राज्य के वन मंत्री के पास रहता है लेकिन इस बार राज्य वन मंत्री दिलीप अहिरवार बनाए गए हैं लेकिन पूर्व से राज्य वन मंत्री की भूमिका बोर्ड में तय नहीं है। विशेषज्ञों की माने तो वन मंत्री की तरह राज्य वन मंत्री को भी उपाध्यक्ष का पद दिया जा सकता है। इस तरह बोर्ड में दो उपाध्यक्ष हो सकते हैं।

बोर्ड में होते है ये भी

वाइल्ड लाइफ बोर्ड में तीन विधायक भी होते हैं, जो सदस्यों की भूमिका में होते हैं। विशेषज्ञ के तौर पर वन विभाग से रिटायर्ड प्रमुख अधिकारी, मौजूदा वन बल प्रमुख, पीसीसीएफ वन्यप्राणी व अन्य शामिल होते हैं।

बोर्ड ने ही दी थी तीसरी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी

ज्ञात हो कि इसी बोर्ड ने भोपाल से इटारसी के बीच रातापानी वन्यजीव अभयारण्य के बीच से गुजरने वाली तीसरी रेल लाइन परियोजना को मंजूरी दी थी। परियोजना को मंजूरी नहीं मिलने के कारण इसमें देरी भी हुई थी बाद में रेलवे ने वन्य प्राणी संरक्षण के सभी नियमों का पालन किया तब बोर्ड ने मंजूरी दी थी।

लेकिन गठन में देरी

लेकिन उक्त बोर्ड के गठन में देरी की जा रही है। चूंकि नई सरकार के गठन के बाद इस बोर्ड का भी नए सिरे से गठन होना है। वन मुख्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि बोर्ड के गठन के लिए पुराने सदस्यों व प्रस्तावित सदस्यों का नाम पूर्व में ही भेजा जा चुका है।

परीक्षा का तनाव दूर करेंगे 18 काउंसलर्स, सुबह से रात तक कॉल की सुविधा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एमपी बोर्ड की परीक्षाएं पांच फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। 10वीं व 12वीं के स्टूडेंट्स परीक्षा के तनाव को लेकर परेशान न हों इसके लिए हेल्पलाइन भी शुरू हो चुकी है। हेल्पलाइन पर 18 काउंसलर्स छात्रों के तनाव को दूर करने की कोशिश करेंगे। इस पर कॉल कर स्टूडेंट्स अपनी परेशानी को बताकर समाधान पा सकते हैं। काउंसलर्स और सब्जेक्ट एक्सपर्ट फोन पर ही समस्या का समाधान सुझाएंगे। सुबह से लेकर रात तक स्टूडेंट्स कॉल कर सकेंगे।

पांच मार्च से प्रैक्टिकल एग्जॉम: एमपी बोर्ड के 10वीं के एग्जाम 5 फरवरी और 12वीं के बोर्ड एग्जाम 6 फरवरी 2024 से शुरू होंगे। 10वीं की परीक्षा 28 फरवरी व 12वीं की परीक्षा 5 मार्च तक चलेगी, रेगुलर स्टूडेंट्स की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 5 मार्च से लेकर 20 मार्च के बीच होंगी।

9 दर्जन इंजीनियरों के जाति प्रमाण पत्रों को लेकर शासन स्तर पर जांच तेज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोक निर्माण विभाग में लगभग 9 दर्जन इंजीनियरों के जाति प्रमाणपत्रों को लेकर शासन स्तर पर जांच तेज हो गई है। शासन स्तर से छानबीन समिति द्वारा ऐसे इंजीनियरों के जाति प्रमाण पत्रों की जांच कराई जा रही है। इनमें विभाग के सचिव और प्रमुख अभियंता से लेकर छोटे स्तर के अधिकारी शामिल हैं। दरअसल, राज्य सरकार का लोक निर्माण विभाग इन दिनों जाति प्रमाण पत्रों की शिकायत से परेशान है। विभाग के उपयंत्रियों के खिलाफ फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी और पदोन्नति के मामले लंबित हैं। बताया जा रहा है कि पीडब्ल्यूडी अकेला ऐसा विभाग है, जहां के 136 इंजीनियरों के खिलाफ छानबीन समिति के पास शिकायतें लंबित हैं। जिनमें बड़े अधिकारियों की भी जाति प्रमाण पत्र की शिकायतें लंबित हैं।

29 फरवरी तक जारी रहेगा राजस्व महाअभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजस्व अभियान 29 फरवरी तक चलाया जाएगा। कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को इस दौरान राजस्व रिकार्ड वाचन, समग्र इकेवायसी व समग्र से खसरे को लिंक करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आरसीएम पर प्रकरण दर्ज करने, लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करने, समेत अन्य कार्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार के तहत करने को कहा है।

मेट्रो एंकर | इस साल होंगे यूजी फोर्थ ईयर में प्रवेश

पीएचडी करने ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा जगत में यह पहला मौका होगा जब पारंपरिक कोर्स के लिए यूजी चार साल की होगी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की गाइडलाइन के अनुसार चार वर्षीय स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार सीधे पीएचडी कर सकते हैं और उन्हें मास्टर डिग्री की आवश्यकता नहीं होगी। यूजीसी का सर्कुलर जारी होने के बाद विद्यार्थी इस निर्णय से काफी खुश हैं, लेकिन उनमें असमंजस की स्थिति भी है। राष्टीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत सत्र 2024-25 में यूजी फोर्थ ईयर में एडमिशन होंगे। जो छात्र इस साल थर्ड ईयर में है वे फोर्थ ईयर में प्रवेश ले सकते हैं। थर्ड ईयर के छात्र कक्षाओं में भी यह सवाल कर रहे हैं कि क्या फोर्थ ईयर में प्रवेश लेना जरूरी होगा। कहीं चौथे ईयर में एडमिशन नहीं लिया तो डिग्री अधूरी तो नहीं मनी जाएंगी। छात्रों की इन्हें सवालों के जवाब के लिए हमने जानी एक्सपर्ट की राय।

बता दें जारी करिकुलम में अगर कोई छात्र रिसर्च स्पेशलाइजेशन करना चाहते हैं तो उन्हें अपने चार साल के कोर्स में एक रिसर्च प्रोजेक्ट शुरू करना होगा। इससे उन्हें रिसर्च स्पेशलाइजेशन के साथ ऑनर्स की डिग्री मिलेगी। फिलहाल छात्रों को तीन साल के यूजी कोर्स को पूरा करने के बाद ऑनर्स डिग्री मिलती है। जानकारी के अनुसार ऐसे छात्र जो रिसर्च फील्ड या प्रोफेसर बनाना चाहते हैं उन्हें चौथे ईयर में प्रवेश लेना लाभदायक होगा। इससे उन्हें सीधे पीएचडी करने की सुविधा मिलेगी। उन्हें पीजी नहीं करना होगी। लेकिन यदि कोई छात्र अन्य प्रोफेशन में जाना चाहता है तो तीन साल की स्नातक डिग्री ही काफी है। वह दो साल पीजी या अन्य कोई कोर्स कर सकता है।

12 क्रेडिट का प्रोजेक्ट वर्क भी करना होगा

यूजीसी के अनुसार जो छात्र तीन साल में ग्रेजुएशन करना चाहते हैं, उन्हें 120 क्रेडिट प्राप्त करने होंगे। जबकि 4 साल यूजी कोर्स ऑनर्स की डिग्री के लिए चार साल में 160 क्रेडिट हासिल करना होंगे। चार साल के यूजी कोर्स के लिए ऑनर्स विद रिसर्च की डिग्री जरूरी होगी। ग्रेजुएशन डिग्री के साथ उन्हें 12 क्रेडिट का प्रोजेक्ट वर्क भी करना होगा।

48 दिनों में पूरा करती थी सफर

कोलकाता से लंदन के बीच चलनी थी बस!

शायद कम लोगों को मालुम होगा कि कोलकाता से लंदन बस जाया करती थी। यह बस कोलकाता से अमृतसर, लाहौर, पेशावर, ईरान फिर तुर्की से यूरोप जाती थी, उस समय इस बस का किराया एक सौ पचास पाउंड्स था और यह 48 दिनों में पूरा सफर करती थी।

ऐसी ही एक ट्रेन सेवा ट्रांस साइबेरियाई है जो साइबेरिया से चीन तक चलती है। यह ट्रेन सेवा मॉस्को से चलती है और साइबेरिया, मंगोलिया और रेगिस्तान गोबी से होते हुवे बीजिंग तक जाती है। यह एक ऐसी आकर्षक यात्रा है कि आप इसे कभी नहीं भूलत सकते। इस तरह ये कलकत्ता-लंदन बस सेवा थी, विभिन्न सभ्यताओं के देशों से 48 दिनों में लंदन लेजाती थी। ये बस सेवा जो वास्तव में एक कभी नहीं भूलने वाली यात्रा होगी क्यूंकि कमर दर्द, मांसपेशियों का जकड़ना और समंदर से ऊपर सफर के दौरान फेफड़ों में पानी का हिलना ऐसा अनुभव रहा होगा जो मरते दम तक मुसाफिर नहीं भूल पाए होंगे!!

लंदन-कोलकाता दुनिया का सबसे लंबा बस रूट था। यह बस सेवा करीब 1973 तक जारी रही। इन दिनों सोशल मीडिया पर लंदन-कोलकाता के दिलचस्प रूट की तस्वीरें वायरल हो रही हैं।

जिस 'टेस्ट ऑफ अर्थ' यानि कुल्हड़ में फ्रांस के प्रेसिडेंट ने ली चाय चुस्की...

उसका इतिहास 5000 साल का

विनोद पाठक

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जब जयपुर के प्रसिद्ध हवा महल के सामने चाय की थड़ी पर चुस्कियां लेते हुए मिट्टी के कुल्हड़ के विषय में अपनी जिज्ञासा जताई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तपाक से कहा, मोस्ट एनवायरमेंटल फ्रेंडली एंड टेस्ट ऑफ अर्थ। नरेंद्र मोदी की सॉफ्ट डिप्लोमेसी की बदौलत पिछले करीब एक दशक में कई राष्ट्राध्यक्ष भारत के अलग-अलग शहरों में रोड शो में शामिल हो चुके हैं। भारत की परंपरागत वस्तुओं का लुफ्त उठाते रहे हैं। फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों ने भी दुनिया में गुलाबी शहर के नाम से प्रसिद्ध जयपुर में कुछ इसी अंदाज में न केवल रोड शो किया, बल्कि उन्होंने दुकानों पर भारतीय परंपरागत चीजों की शॉपिंग भी की, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा टेस्ट ऑफ अर्थ यानी मिट्टी के कुल्हड़ की हो रही है।

भारत और दक्षिण एशियाई हमारे कुछ पड़ोसी देशों में चाय की दुकानों पर कुल्हड़ देखा जा सकता है। भारत में खासकर उत्तर भारत में चाय मिट्टी के कुल्हड़ में देने का चलन रहा है। ग्रामीण भारत में ब्याह-शादी और अन्य समारोह में मिट्टी के कुल्हड़ में दूध-चाय-पानी दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में जरूर कागज और प्लास्टिक के कप ने मिट्टी के कुल्हड़ का स्थान लेने का असफल प्रयास किया, लेकिन कुल्हड़ दोबारा प्रचलन में आ गया है। इसका बहुत बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी जाता है।

कुल्हड़ का इतिहास: मिट्टी के कुल्हड़ के प्रमाण 5000 साल पहले तक मिलते हैं। सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई में मिट्टी के बर्तन मिले हैं, जिनमें कुल्हड़ शामिल है, यानी भारत में कुल्हड़ का चलन सैकड़ों साल पुराना है। कुछ दशक पहले तक देश में कुम्हार ही मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ बनाया करते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों से मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ बनाने के कई स्टार्टअप शुरू हुए हैं। कई पढ़े-लिखे युवा भी मिट्टी के बर्तन बनाने के बिजनेस शुरू कर चुके हैं। मिट्टी के बर्तनों के कुछ बिजनेस ऐसे हैं, जिनका टर्नओवर सालाना करोड़ों रुपए का है। मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर अच्छी कीमत में बिक रहे हैं।

मिट्टी के बर्तनों के उपयोग के पीछे साइंस: दरअसल, भारत में हर चीज के पीछे साइंस रहा है। मिट्टी के बर्तनों में खान-पान जैसे चाय के उपयोग के पीछे भी साइंस है। मिट्टी के कुल्हड़ में चाय पीने या पानी पीने के स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रकार के लाभ होते हैं। रिसर्च गेट में प्रकाशित एक शोध के अनुसार मिट्टी के बर्तन में खाना-पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। मिट्टी के बर्तन में खाने का स्वाद भी बढ़ जाता है। जहां प्लास्टिक ग्लास में गर्म चाय डालने से उसमें मौजूद केमिकल चाय में घुल जाते हैं और कैंसर जैसी बीमारियों की संभावना को बढ़ा देते हैं, वहीं मिट्टी के कुल्हड़ में मौजूद कैल्शियम खाने के साथ मिलकर हमारे शरीर में कैल्शियम की पूर्ति करता है। मिट्टी के बर्तन खाने के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स को सुरक्षित रखते हैं। चाय के जरूरी पोषक तत्व कुल्हड़ में प्रिजर्व रहते हैं। मिट्टी का कुल्हड़ तांबे या चांदी के बर्तन से भी कई गुना ज्यादा फायदेमंद बताया गया है।

कुल्हड़ का फायदा: कुल्हड़ का एक फायदा यह भी है कि ये हानिकारक बैक्टीरिया से हमें बचाता है, जबकि प्लास्टिक के गिलास या कांच के गिलास में मौजूद बैक्टीरिया हमारे भोजन के साथ शरीर में चले जाते हैं। मिट्टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते। कुल्हड़ की चाय पाचन के लिए भी फायदेमंद है। सबसे बड़ी बात जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से कहा, यह एक मोस्ट एनवायरमेंटल फ्रेंडली पात्र है, जो हमारे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है।गुलाबी नगरी की चाय पीकर इमैनुएल मैक्रों अभिभूत दिखे और यह निश्चित है कि उनको भारतीय आतिथ्य सत्कार और कुल्हड़ की चाय पसंद आई। यह भी संभव है कि आने वाले दिनों में फ्रांस की किसी कॉफी या टी-शॉप पर मिट्टी के कुल्हड़ में चाय मिलती दिख जाए। **- साभार**

सोचने का तरीका सचमुच बदलती हैं प्रेरणादायी पुस्तकें

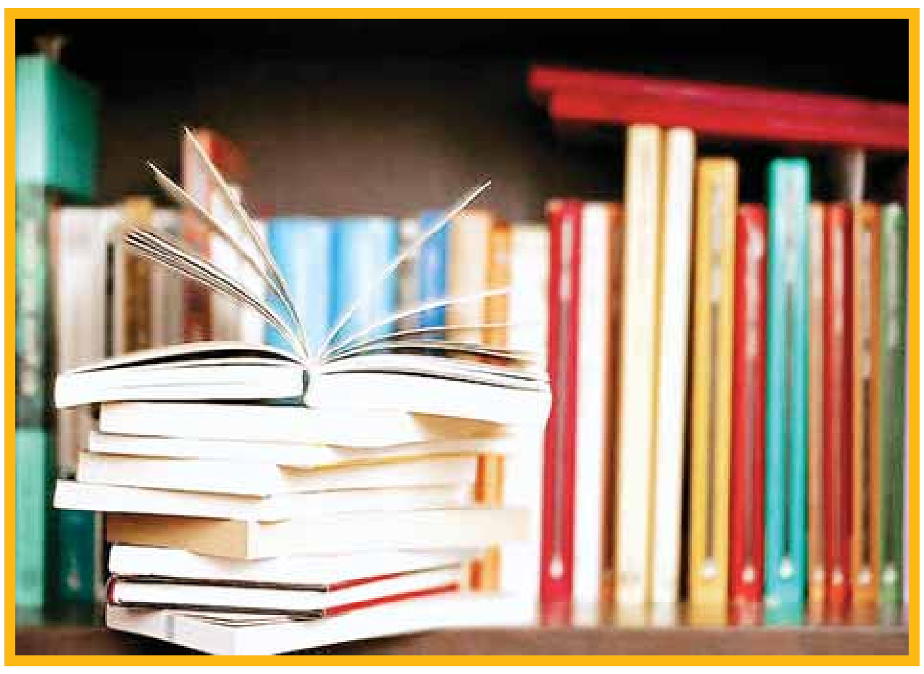

जी.एस.नंदिनी

कुछ लोग मानते हैं कि स्व-सहायता पुस्तकों से बहुत फायदे मिलते हैं, तो कुछ ऐसे लोग भी हैं जो इनसे दूर रहने की हिदायत देते हैं, क्योंकि उनका मानना है कि ये किताबें हमें 'झूठी आशा सिंड्रोम' के भ्रम में रखती हैं। सवाल है अंतिम रूप से हमारे लिए सही क्या है? क्या वाकई हमें इन किताबों को अपने आपको प्रेरित करने या सफल होने के लिए पढ़नी चाहिए या फिर झूठी आशाओं की बीमारी से बचने के लिए इनसे दूरी बनाकर रखनी चाहिए। अगर विस्तृत अध्ययनों के निष्कर्षों को देखें तो इन किताबों के पढ़ने के, हो सकता है कुछ नुकसान हों, हो सकता है कुछ लोग ओवर कॉन्फिडेंट हो जाते हों और इस चक्कर में भ्रम की दुनिया रच लेते हों। लेकिन ज्यादातर लोगों को इन किताबों को पढ़ने से कई तरह के फायदे होते हैं। सिर्फ कैरियर के मामले में ही नहीं, असाध्य बीमारियों से जूझने में और मानसिक परेशानियों से निपटने में भी इन किताबों का जबरदस्त योगदान होता है।

ये किताबें हमें कैरियर के मामले में परीक्षाओं को पास करने के रास्ते सुझाती हैं, रणनीतियां बताती हैं, जिनके जरिये हम कठिन परीक्षाओं को क्रैक कर सकते हैं। हमारे हौसले को बनाये रखती हैं, जो न सिर्फ हमारी रुचियों को बरकरार रखने का जरिया होता है बल्कि हमें लगातार कुछ कर सकने के लिए प्रेरित करता है। सबसे बड़ी बात, ऐसी किताबें खुद पर नियंत्रण करना सिखाती हैं। ये हमें अनुशासन में रहना सिखाती हैं। अगर मामला अपनी बीमारियों को जानने, समझने और स्व-चिकित्सा से हो तो ये किताबें हमें इतना संबल देती हैं कि हम इनके मुताबिक लंबे समय तक संघर्ष करके जटिल बीमारियों से भी पार पा सकते हैं। इसलिए अगर पड़ने और न पढ़ने से मिलने वाले फायदों पर अंगुली रखना हो तो निश्चित रूप से न पढ़ने के मुकाबले ऐसी किताबों को पढ़ने के कई फायदे होते हैं।

कमजोरियां जानने व पार पाने में मददगार: इन किताबों को पढ़ने का फायदा इसलिए होता है, क्योंकि ये हमारी गलतियों को चिन्हित करती हैं। इनको पढ़कर हम जान पाते हैं कि आखिर हम गलतियां क्या कर रहे हैं और उनसे कैसे बच सकते हैं यानी ये किताबें हमें हमारी कमजोरियों को जानने-पहचानने में मदद करती हैं। इन किताबों को पढ़कर हम नया कुछ सीखने के लिए प्रेरित होते हैं, हमारी उम्र, हमारी भाषाई समझ, हमारा ज्ञान, हमारे लिए किसी तरह की बाधा नहीं बनता। ये हमें एक उत्साह देती हैं, जिससे हम किसी भी उम्र में कोई भी कौशल सीखने के लिए तैयार हो जाते हैं और जब सीखते हैं तो उसका फायदा मिलता है। ऐसी किताबें हमें दृढ बनाती हैं, समस्या का समाधान सुझाती हैं।

नए तरीके से सोचने की कला: इन किताबों को पढ़ने का हमें एक बड़ा फायदा यह भी मिलता है कि हम उस अभ्यास के तौर-तरीके को जान पाते हैं, जो हमें आगे चलकर मदद करता है। ये हमें अपने प्रति ईमानदार बनाती हैं और अपना मूल्यांकन करने के लिए तरीका और पैमाने सुझाती हैं। निश्चित रूप से इन किताबों को पढ़कर हमें ज्ञान होता है, हमें हिम्मत आती है और हम नए तरीके से सोचने की कला सीख जाते हैं। अगर मान लें कि इनमें से कुछ नहीं होता, तो भी निश्चित तौर पर एक बात यह होती है कि हमें इन किताबों के पढ़ने का कोई नुकसान नहीं होता। ये किताबें किसी बुरी संगत की तरह नहीं होती, जो हममें नकारात्मक असर डालें। अगर हम इनसे कुछ सीखते नहीं, तो यह भी तय है कि हम इन किताबों से कुछ खोते भी नहीं है, किसी तरह का हमारा कोई नुकसान नहीं होता। सबसे बड़ी बात यह है कि ये किताबें आमतौर पर 50 पेज से लेकर 200-250 पेज की होती हैं, जिन्हें आसानी से पड़ा जा सकता है और पढ़ने में बहुत दिन भी जाया नहीं करने पढ़ते।

लब्बोलुआब यह कि हमें ये किताबें इसलिए पढ़नी चाहिए कि ये हमें अपनी सीमाएं तोड़ना और नई सीमाएं गढ़ना सिखाती हैं। ये किताबें हमें व्यक्तिगत रूप से परियोजनाएं बनाना और उनमें अपने ढंग से आगे बढ़ना सिखाती हैं। जो काम कोई व्यक्ति, कोई इंस्टीट्यूट हजारों रुपये लेकर करेगा, वह काम ये किताबें बहुत मामूली सी कीमत महज कुछ सौ रुपये में कर देती हैं और आजकल तो ज्यादातर सेल्फ हेल्प बुक ऑनलाइन मुफ्त में उपलब्ध हैं या नाममात्र की कीमत पर। इसलिए न पढ़ने से बेहतर है ऐसी किताबें पढ़नी चाहिए, कुछ न कुछ फायदा ही मिलता है, जबकि नुकसान कुछ भी नहीं होता। **- साभार**

देश भक्ति से भरे लोक गीतों से गुंजायमान हुआ नर्मदा तट का पर्यटन घाट

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

गणतंत्र दिवस पर जिले के पर्यटन घाट पर लोकतंत्र का महोत्सव भारत पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें लोक कलाकारों द्वारा बघेली लोकगायन तथा ढिमराइ और कांगड़ा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर देवेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारीगण और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य हाई स्कूल बिकोर दुर्गेश नंदन व्यास और संस्कृति जैसवाल द्वारा किया गया।

जनसंपर्क विभाग की विकास प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र: समारोह में जिला जनसंपर्क कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा लगाई विकास प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बिंदु रही। प्रदर्शनी शासन की योजनाओं एवं नागरिकों के हित में संसद द्वारा पारित किए गए 3 नए कानूनों पर केंद्रित रही। प्रदर्शनी में शासन की योजनाओं एवं नए कानूनों को 58 पैनल्स पर चित्रित किए गए। कार्यक्रम में बढ़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लोक कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियां: कार्यक्रम में लोक कलाकार भोपाल के अनुराग त्रिपाठी और 7 सदस्यीय दल द्वारा देशभक्ति के सुमधुर बघेली लोक गीतों की प्रस्तुति दी गई। जिसमें प्रमुख रूप से हर हर हो नर्मदा माई, भूमि भारत की जग जानी मानी है, जन्म लिया भारत में इत्यादि गीत प्रस्तुत किए गए। जनपद सीईओ नर्मदापुरम हेमंत सूत्रकार द्वारा भी देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। सिरोंज के परमानंद केवट और 8 सदस्यीय दल द्वारा ढिमराई और कांगड़ा लोक नृत्य की प्रस्तुति गई। कार्यक्रम में कलेक्टर द्वारा अंत में सभी लोक कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं शाल श्रीफल भेंट किए गए। इस अवसर पर एसडीएम नर्मदापुरम आशीष पांडे , सिटी मजिस्ट्रेट संपदा सराफ, डिप्टी कलेक्टर नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर बबीता राठौर, सीएमओ नवनीत पांडे आदि उपस्थित रहे।

कृषि विभाग की झांकी को मिला प्रथम पुरस्कार: शासकीय योजनाओं पर केंद्रित विभिन्न आकर्षक झाकियों का प्रदर्शन किया गया। जिला रेशम विभाग द्वारा रेशम उत्पादन से नारी सशक्तिकरण संकल्प समृद्धि और समर्थ की ओर बढ़ता मप्र की थीम पर झांकी का प्रदर्शन किया। इसी प्रकार वन मंडल अधिकारी द्वारा वन धन केंद्रों से ग्रामीणों की समृद्धि एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा थीम पर, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन थीम पर, जिला पंचायत द्वारा वर्षा जल को सहेजेंगे, आजीविका को बढ़ाएंगे, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय नर्मदापुरम द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित, प्रबंधक लोकसेवा द्वारा समय पर सेवा सबका अधिकार, उपायुक्त सहकारिता द्वारा सरकार से समृद्धि अंतर्गत पैक्स कम्प्यूटरीकरण, सामाजिक न्याय द्वारा नशा मुक्ति अभियान, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नर्मदापुरम द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों एवं प्रयासों का क्रमबद्ध प्रदर्शन एवं किसान कल्याण कृषि विभाग द्वारा कृषि विकास को सामूहिक रूप से गतिविधियों का प्रदर्शन थीम पर झांकियां का प्रदर्शन किया गया।

झांकियां के प्रदर्शन में कृषि विभाग को प्रथम, जिला पंचायत को द्वितीय एवं मुख्य नपा अधिकारी कार्यालय नर्मदापुरम को तृतीय पुरस्कार मिला। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्प्रिंगडेल्स स्कूल नर्मदापुरम को प्रथम, शासकीय कृषि सीएम राइज स्कूल पवारखेड़ा को द्वितीय तथा नर्मदा वैली इंटरनेशनल स्कूल नर्मदापुरम को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रदेश प्रदर्शन में जिला पुलिस बल को प्रथम, सीनियर डिवीजन आर्मी विंग 13 एमपी बटालियन को द्वितीय पुरस्कार मिला तथा जिला पुलिस बल महिला को तृतीय पुरस्कार मिला।

बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बिखेरी इंद्रधनुषी छटा: गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की इंद्रधनुषी छटा बिखेरी। कार्यक्रम में देशभक्ति पर केंद्रित गीत जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया गीत पर शासकीय कृषि सीएम राइस उमा विद्यालय पवारखेड़ा स्कूल के 73 छात्र छात्राओं ने सुंदर प्रस्तुति दी।

अधिकारी व समाजसेवी हुए सम्मानित

सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंच कर घायल की जान बचाने पर लक्ष्मी नारायण सोनी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया। विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान डाक मतपत्र का सुचारु प्रबंधन के लिए डिप्टी कलेक्टर संपदा सराफ, ईवीएम के सुचारू प्रबंधन के लिए कार्यपालन यांत्रिक ग्रामीण यांत्रिकी सेवा कुबेर सिंह मिर्धा, सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकी का सुचारु प्रबंधन के लिए सूचना एवं विज्ञान अधिकारी मनीष गुणवान, निर्वाचन में व्यय अनुवीक्षण का सुचारु प्रबंधन के लिए संभागीय लेखा अधिकारी लोक निर्माण संजय कुमार, विधानसभा निर्वाचन के दौरान परिवहन का सुचारु प्रबंधन हेतु क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी निशा चौहान, निर्वाचन में सुचारू प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए व्याख्याता नेशनल स्तरीय मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे, जिले में निर्वाचन पर्यवेक्षक के दायित्वों का सुचारू संचालन के लिए निर्वाचन पर्यवेक्षक कैलाश दुबे, जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर, मतगणना प्रबंधन के लिए उप यंत्री लोक निर्माण विभाग आर डी भाटी, डाक मत पत्र प्रबंधन के उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक संचालक विष्णु प्रसाद गौर, विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत उत्कर्ष कार्य के लिए प्रोग्रामर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय अरविंद सिंह राजपूत , कंप्यूटर ऑपरेटर मृत्युंजय चौकसे, बाल संरक्षण अधिकारी आशु पटेल , रीडर अपर कलेक्टर सुनील शर्मा, रीडर अपर कलेक्टर शिवम पांडे को प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया।

तहसील, विद्युत मंडल के साथ उत्कृष्ट विद्यालय का किया निरीक्षण

काम के बदले पैसे लिए जा रहे हैं तो ये गलत बात, विधायक ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

तहसील कार्यालय से बगैर सेवा के नहीं मिल रही मेवा के शीर्षक के साथ हमारे संवाददाता के द्वारा गुरुवार के अंक में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए अभी के संगम में लाने का काम किया था इसके बाद शाम के समय विधायक उमाकांत शर्मा एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय का जायजा लेने के लिए पहुंचे जहां पर उन्होंने कहा कि यदि काम के बदले में किसी भी तरह की राशि ली जा रहे तो बहुत ही गलत बात है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की रीति के और नीति की विरोध है ऐसे करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा यदि ऐसा हो रहा है तो तत्काल ऐसे भ्रष्टाचारियों पर क?ी कार्रवाई करते हुए ऐसे भ्रष्टाधिकारियों को पक?वाने की बात भी उन्होंने एसडीएम से कहीं उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाला कोई भी हो चाहे वह उमाकांत शर्मा भी क्यों ना हो उसको नहीं छोड़ा जाना चाहिए ऐसे भ्रष्टाचारियों किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए तत्काल जांच कराकर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं एसडीएम हषर्ल चौधरी ने कहा कि यदि कहीं से ऐसी कोई शिकायत आती है और यदि काम के बदले में पैसे लिए जा रहे हैं तो हम इसकी जांच करवा कर तत्काल कार्रवाई करेंगे तहसील के मंडलों में 300 के करीब प्रकरण लंबे समय से लंबित चल रहे हैं। पक्षकारों के प्रकरणों में आदेश जारी करने के बदले में सेवा शुल्क की मांग की शिकायत लगातार सामने आ रही है।

तहसील में अधिकारियों के नाक के नीचे हो रहा है भ्रष्टाचार के मामले को हमारे संवाददाता ने जनित में उजागर करते हुए जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के संज्ञान में लाने का काम किया है। अब देखना है कि भ्रष्टाचार के खेल पर रोक लगेगी या फिर बिना सेवा के किसी का आदेश जारी नहीं होगा। राकेश विश्वकर्मा ने बताया कि मेरे बंटवारे के आवेदन को सेवा शुल्क नहीं देने के कारण निरस्त कर दिया गया है ऐसे कई किसान है जिनके प्रकरण लंबे समय मामले चल रहा है पर मैं आदेश जारी नहीं हो रहा है। जिन्होंने पक्षकारों के द्वारा सेवा कर दी जाती है उनके आदेश हो जाते हैं जो सेव नहीं देता है और शिकायत करता है तो उनके निरस्त भी का दिए जाते हैं। जिसकी चर्चा इन दोनों जोर-जोर से हो रही है पहले भी बंटवारे का आदेश करने के बदले में नायब तहसीलदार पर पैसे मांगने का आरोप लगा चुके हैं इसके बाद किसान ने भैंस बांध दी थी इस बार भी इसी तरह की हालात बनेंगे तभी यहां पर बदलाव होगा।

खबर का असर

तहसील में बगैर सेवा के नहीं हो रहे नामांतरण, सैकड़ों केस पेंडिंग, पहले भी लग चुके हैं भ्रष्टाचार के आरोप

दोपहर मेट्रो में प्रकाशित खबर

विद्युत मंडल के साथ उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण

विधायक ने विभागों का ओचक निरीक्षण किया जिसमें सबसे पहले वह तहसील कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने एसडीएम हषर्ल चौधरी से चर्चा की और इसके बाद सीधे विद्युत मंडल पहुंचे जहां उन्होंने पूर्व की शिकायतों का निराकरण करने संबंधी बात कही इस दौरान एसडीएम हर्षल चोधरी भी साथ रहे साथी ही समस्यायों को लेकर नियम अनुसार कार्रवाई करने की बात कही एवं कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया इसके बाद वह शासकीय सीएम राईज स्कूल पहुंचे जहां उन्होंने भौतिकी, रसायन, जीव विज्ञान, आईटी लेब के साथ पुस्तकालय निरिक्षण किया किया।

शान से फहराया तिरंगा, मुख्य समारोह में बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति, नगरपालिका ने निकाली शानदार झांकी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

गणतंत्र दिवस का महापर्व नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में उत्साह के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण के उपरांत राष्ट्रीय गीत हुआ। मुख्य समारोह शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान में हुआ जहां पर जनपद अध्यक्ष पुष्पा बाई हमीर सिंह यादव ने ध्वजारोहण करके परेड की सलामी ली सरस्वती वंदना के बाद संस्कृत कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें शासकीय तथा निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक देशभक्त से उपरोक्त कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। दूसरी ओर नपा परिषद के द्वारा स्वच्छता के साथ अयोध्या में प्रभु रामचंद्र के मंदिर निर्माण की झांकी की प्रस्तुति देकर सभी को आकर्षित कर दिया जिसको देखने के लिए क्षेत्र विधायक उमाकांत शर्मा भी झांकी के साथ मैदान में चक्कर लगाकर प्रणाम किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम सामूहिक प्रथम पुरस्कार सीएम राइस स्कूल को मिला। द्वितीय तृतीय पुरस्कार के साथ अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी प्रस्तुत किया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारियों को सम्मानित किया। विधायक शर्मा ने कहा कि बिना किसी रूकावट के संस्कृत कार्यक्रम सुचारु रूप से चले इसके लिए पहले से तैयारी अच्छी करें । उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व देश मजबूती से आगे बड़ रहा है आत्मनिर्भर हमारा देश बन रहा है।

पत्रकारों के साथ नीचे बैठे विधायक, तब जाकर नींद से जागे अधिकारी

समूह का आयोजन जनपद पंचायत के द्वारा आयोजित करवाया जाता है जिसमें जनपद सीईओ के द्वारा पत्रकारों के लिए बैठने की कोई व्यवस्था नहीं की गई जिसके बाद पत्रकार जैसे ही नीचे बैठे तो विधायक ने पहले तो सीईओ को मंच पर बुलाकर पूछा कि प्रोटेकॉल में पत्रकारों के लिए कुर्सियां क्यों नहीं लगाई तो सीईओ वंदना शर्मा ने अपनी जिम्मेदारी नगरपालिका पर डाल दी और संतोषजनक जवाब नहीं दिया तो विधायक ने नाराजगी जाहिर करते हुए पत्रकारों के साथ नीचे जाकर बैठ गए फिर अधिकारी होश में आए। एसडीएम हषर्ल चौधरी ने विधायक व पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि व्यवस्था नहीं होने के लिए मैं क्षमा चाहता हूं सभी लोग मंचासीन हो जाएं फिर विधायक ने पत्रकारों के लिए उचित इंतजाम करवाया तब जाकर वह मंच पर बैठे।उन्होंने कहा भविष्य में ऐसी गलती नहीं होनी चाहिए देश का चौथा स्तंभ उसके सम्मान पर किसी भी तरह की ठेस पहुंचनी चाहिए।हमारी सरकार व संविधान के विपरीत काम हो रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनपद सीईओ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बाद भी एसडीएम ने कई तब जाकर सभी माने।

आसमान में लहराया तिरंगा

कड़ाके की सर्दी के बाद भी गणतंत्र दिवस का उत्साह सभी के चरणों पर अलग ही नजर आ रहा था नगर पालिका में नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, जनपद कार्यालय में जनपद अध्यक्ष पुष्पा बाई हमीर सिंह यादव, एसडीएम कार्यालय में एसडीएम हषर्ल चौधरी, पीडब्ल्यूडी कार्यालय में एसडीओ अरविंद पाठक, जनपद शिक्षा केंद्र कार्यालय में बीआरसी ओमप्रकाश रघुवंशी, पत्रकार भवन में पत्रकार मुकेश रघुवंशी ने ध्वजारोहण किया। इसके अलावा वन परिचित कार्यालय में बन परिक्षेत्र अधिकारी देवेश गौतम, पीएचई विभाग कार्यालय में एसडीओ जसवंत सिरोही शासकीय देरी जागीर शाला में भी साला प्रभारी के के माली के साथ सरपंच ध्वाजारोहण किया इस के अलावा अन्य संस्थाओं में भी कार्यक्रम हुए।

मेट्रो एंकर | सांस्कृतिक व सम्मान समारोह का आयोजन

नगर सहित हर गांव में आन बान शान से लहराया तिरंगा

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

75 में गणतंत्र दिवस को सिवनी मालवा नगर सहित विकासखंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में धूमधाम से मनाया। नगरपालिका कार्यालय पर नपा उपाध्यक्ष स्वाति शैलेंद्र गौर ने ध्वजारोहण किया। नपा अध्यक्ष रितेश जैन द्वारा जयस्तंभ चौक पर ध्वजारोहण किया गया एवं पुलिस जवान द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। विधायक प्रेम शंकर वर्मा द्वारा गांधी चौक और नपा पार्किंग मुख्य कार्यक्रम स्थल पर ध्वजारोहण किया साथ ही शासकीय कन्या हाई स्कूल एनसीसी स्काउट गाइड द्वारा मंच पर सलामी दी गई। गांधी चौक पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति एवं शिवराज पार्क में शहीद गैलरी में सामूहिक रूप से माल्यार्पण किया। कृषि उपज मंडी बानापुरा में भर साधक अधिकारी प्रमोद सिंह गुर्जर एसडीम द्वारा झंडा वंदन किया। वहीं थाना परिसर में थाना प्रभारी सज्जन सिंह मुकाती एसडीओपी कार्यालय में राजू रजक अनुविभागीय पुलिस अधिकारी के द्वारा झंडा वंदन किया। इसके अलावा नर्मदा किड्स वैली की संचालिका सरोज अग्रवाल कार्डिनेटर प्रियंका रघुवंशी द्वारा झंडा वंदन किया। वन परिक्षेत्र बानापुरा में रेंजर जीएस पवार ने वन परीक्षेत्र कार्यालय पर झंडा वंदन किया। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों के द्वारा देश भक्ति गीत, स्वच्छ भारत मिशन, बेटी बचाओ, राम मय विकसित भारत,अन्य विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए इसमें प्राथमिक स्तर पर प्रथम पुरस्कार सीएम राइस प्राथमिक शाला, द्वितीय पुरस्कार नवीन प्राथमिक शाला स्कूल,तृतीय पुरस्कार स्वामी दयानंद सरस्वती स्कूल, चतुर्थी पुरस्कार टैगोर पब्लिक स्कूल प्राथमिक शाला ने प्राप्त किया।

प्रथम पुरस्कार टैगोर पब्लिक माध्यमिक शाला को: प्रथम पुरस्कार शा. कन्या उमा विद्या., द्वितीय पुरस्कार जीव ज्योति हाई सेकेंडरी स्कूल, तृतीय पुरस्कार आचार्य चाणक्य स्कूल, चतुर्थी पुरस्कार टैगोर हायर सेकेंडरी स्कूल, पंचम पुरस्कार कम राइस हाई सेकेंडरी स्कूल ने प्राप्त किया। **ग्रामीण स्तर पर** प्रथम पुरस्कार शासकीय कन्या शाला छात्रावास, द्वितीय पुरस्कार शासकीय प्राथमिक शाला कुसुम कुई, तृतीय पुरस्कार शास. प्रा.शाला थुआ ने प्राप्त किया। उत्कृष्ट सेवा करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया। जिसमें एसडीएम प्रमोद सिंह गुर्जर, तहसील राकेश खजूरिया, तहसीलदार नितिन राय, नायब तहसीलदार दीप्ति चौधरी, राजस्व निरीक्षक श्याम सिंह तारे, परियोजना अधिकारी रेखा यदुवंशी, उपयंत्री आरके जकनोर, पशु चिकित्सा डॉ सतीश दुबे, नगर पालिका कर्मचारी संतोष विश्वकर्मा, शुभम साहू, सफाई कर्मचारी पवन सिंह, शिशु मंदिर बराखड पंढरी नाथ धापकारी, रामजीवन साध, सीताराम मंदिर ट्रस्टी, गायत्री शक्तिपीठ के राजेश यादव, अंकुर अग्रवाल दुर्गेश वर्मा, शुभम पिंटू कपूर, विश्व हिंदू परिषद के शिव राठौर, दिलीप ठाकुर, मनीष राठौर आदि को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना अवधपुरी जिला भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक/थाप्र/अवध/भो/डी-06/2024 — जिला भोपाल
अपराध क्रमांक-212/2023 — धारा 363 भादवि

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 09.10.2023 को फरियादीया विध्या बाई पत्नि स्व. सरदार सिंह उम्र 62 साल निवासी म.न. 188 सोनपुरा खजूरी कला अवधपुरी भोपाल मो.न. 8959651317, 7748044774 अपने दामाद सुनील राजपूत के साथ थाना उपस्थित आकर जुबानी रिपोर्ट कर बताया कि मैं उक्त लिखाये पते पर निवास करती हूँ तथा मजदूरी करती हूँ। दिनांक 07.09.2023 को सुबह 09.00 बजे मैं मजदूरी करने के लिए चली गई थी मेरी बेटी नेहा ठाकुर पिता स्व. सरदार सिंह उम्र 17 साल निवासी म. न. 188 सोनपुरा खजूरी कला अवधपुरी भोपाल की घर पर थी शाम करीब 05.00 बजे मैं काम से घर पर वापस आयी देखा तो मेरी बेटी नेहा ठाकुर घर पर नहीं थी जो घर से बिना बताये कहीं चली गई है जिसका हुलिया रंग सांवला, कद 5 फीट 3 इंच, चेहरा गोल, बाल सामान्य बडे, लाल कलर की टी शर्ट व पजामा पहने है उल्टे हाथ की कलाई पर गुदने का निशान है मानसिक स्थिती ठीक नहीं है। अपहर्ता का आज दिनांक तक पता नहीं चला है।

अपराध क्रमांक 212/2023 धारा 363 भादवि की अपहर्ता नेहा ठाकुर पिता स्व. श्री सरदार सिंह उम्र 17 साल निवासी सोनपुरा खजुरीकलां अवधपुरी भोपाल की यदि किसी को कोई जानकारी हो तो थाना अवधपुरी अथवा विवेचक को अगत करावे।

थाना प्रभारी - 9479990505
विवेचना अधिकारी - 9131979014
G-23431/23

थाना प्रभारी
थाना अवधपुरी भोपाल

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
सिरोंज शहर को प्रदेश की ऊचाईयों पर ले जाने वाले युग पुरुष मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री स्व. श्री लक्ष्मीकांत शर्मा के सपनो को साकार करने वाले एवं सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने वाले क्षेत्र के कर्मठ, झुझारू लोकप्रिय विधायक उमाकांत शर्मा के अथक प्रयासों एवं मार्गदर्शन में नगर पालिका परिषद सिरोंज को शौच मुक्त शहर में डबल प्लास एवं कचरा मुक्त शहर में जीएफसी स्टार वन रैंकिंग प्राप्त करने पर ढेर सारी बधाई
HAPPY गणतंत्र दिवस 26 JANUARY
की हार्दिक शुभकामनाएँ
इन कार्यो को मूर्थ रूप देने के लिए एसडीएम हर्षल चौधरी के निर्देशन में शहरवासियों को मिला सुदंर और स्वच्छ शहर
मा. उमाकांत शर्मा
विधायक
सिरोंज-लटेरी विधानसभा क्षेत्र
इस टीम के अथक प्रयास से नगर पालिका को मिली सफलता
हर्षल चौधरी
एस.डी.एम.-सिरोंज
रामप्रकाश साहू
सी.एम.ओ.
नगर पालिका परिषद सिरोंज
धीरज मीना
एच. ओ.
नगर पालिका परिषद सिरोंज
बालमुकुंद कुशवाह
आर.एस.आई.
नगर पालिका परिषद सिरोंज
रोहित सिंह तोमर
इंजीनियर
नगर पालिका परिषद सिरोंज
अखिलेश मारको
इंजीनियर
नगर पालिका परिषद सिरोंज
इन सबका रहा विशेष सहयोग
महेश गर्ग (पप्पू भैया)
वरिष्ठ समाजसेवी
डॉ. शाहिद खान
हेल्थ एंड केयर
मल्टी हॉस्पिटल सिरोंज
अनुज अग्रवाल
वरिष्ठ समाजसेवी
विक्की अग्रवाल
वरिष्ठ समाजसेवी
कुलदीप जैन
वरिष्ठ समाजसेवी
मयंक मित्तल (मिट्टू भैया)
वरिष्ठ समाजसेवी
महेश जैन
वरिष्ठ समाजसेवी
फहीम मंसूरी
वरिष्ठ समाजसेवी
डॉ. विकास कौल
बीएमओ
शा. अस्पताल सिरोंज
सुनील यादव
अध्यक्ष
स्वर्णकार महासंघ- सिरोंज
विनोई मड़कल
डायरेक्टर
सेंट जॉर्ज कॉन्वेन्ट स्कूल सिरोंज
नरेन्द्र रघुवंशी
डायरेक्टर
शुभ-लाभ स्कूल सिरोंज
जयपाल सिंह यादव
डायरेक्टर
नवांकुर स्कूल पथरिया
प्रभानसिंह कुशवाह
जे.ई.
बिजली विभाग सिरोंज
राजेश विश्वकर्मा
डायरेक्टर
रघु मेमोरियल मी. स्कूल सिरोंज
राजीव कुमार रंजन
ए.ई.
ग्रामीण विद्युत मंडल सिरोंज
जितेन्द्र कुमार मेहरा
जे.ई.
ग्रामीण विद्युत मंडल सिरोंज
एस.एस. पवार
जे.ई.
ग्रामीण विद्युत मंडल सिरोंज

बोपन्ना ने कॅरियर में दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता

ऑस्ट्रेलिया के एब्डन के साथ मेंस डबल्स चैंपियन बने, इटैलियन जोड़ी को 7-6, 7-5 से हराया

मेलबर्न, एजेंसी

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने करियर का पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत लिया है। 43 साल के बोपन्ना अपने ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एब्डन के साथ साल के पहले ग्रैंड स्लैम की मेंस डबल में चैंपियन बने। इसी के साथ बोपन्ना ने पहला मेंस डबल्स ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता है और ओपन एरा में ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बन गए हैं। बोपन्ना के करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। रॉड लेवर एरीना में भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने इटली के सिमोन बोलेली, एंड्रिया ववास्सोरी की जोड़ी को सीधे सेटों में 7-6, 7-5 से हराया डेढ़ घंटे तक चले फाइनल मुकाबले में बोपन्ना-एब्डन की जोड़ी का दबदबा कायम रहा।

2017 में जीता था फ्रैंच ओपन: यह रोहन बोपन्ना का दूसरा ग्रैंड स्लैंड टाइटल है। इससे पहले उन्होंने 2017 में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। वे मेंस डबल्स में 2010 में पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरैश के साथ और 2023 में एब्डन के साथ यूएस ओपन में दो बार उपविजेता रहे। बोपन्ना ने 6 साल पहले आखिरी ग्रैंड स्लैम टाइटल जीता था। वे गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ फ्रेंच ओपन में मिक्स्ड डबल्स चैंपियन बने थे।

पिछले साल सानिया मिर्जा के साथ गंवाया था फाइनल: बोपन्ना पिछले साल पूर्व भारतीय स्टार सानिया मिर्जा के साथ इस टूर्नामेंट का मिक्स्ड डबल्स फाइनल हार गए थे। तब भारतीय जोड़ी को ब्राजीलियाई जोड़ी ने 7-6, 6-2 से हराया था। रोहन और सानिया की जोड़ी को पिछले सीजन में मिक्स्ड डबल्स फाइनल में 6-7, 2-4 की पराजय झेलनी पड़ी थी। रोहन व सानिया की जोड़ी को पिछले सीजन में मिक्स्ड डबल्स फाइनल में 6-7, 2-4 की पराजय झेलनी पड़ी थी।

पहला सेट टाई-ब्रेकर, दूसरे में आसानी से जीते

पहला सेट दोनों के लिए मुश्किल रहा। हर पॉइंट के लिए कड़ा संघर्ष हुआ और 6-6 गेम की बराबरी होने के बाद मामला टाई ब्रेकर में चला गया। टाई ब्रेकर में बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने बाजी मारी। दूसरे सेट में भी स्कोर एक समय 5-5 हो गया था। लग रहा था कि इसका फैसला भी टाई-ब्रेकर से होगा, फिर बोपन्ना और एब्डेन ने प्रतिद्वंद्वी जोड़ी की सर्विस ब्रेक कर दी। इसके बाद अगला गेम भी जीत कर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। एब्डेन ने भी दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता। उन्होंने 2022 विम्बलडन में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल के साथ मेंस डबल्स खिताब जीता था। एब्डेन ने भी दूसरा ग्रैंड स्लैम जीता। उन्होंने 2022 विम्बलडन में ऑस्ट्रेलिया के मैक्स परसेल के साथ मेंस डबल्स खिताब जीता था।

हैदराबाद टेस्ट का दूसरा दिन: पोप डबल सेंचुरी चूके; बुमराह को 4 विकेट

टेस्ट मैच: भारत को 231 रन का टारगेट, इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बनाए 420 रन

हैदराबाद, एजेंसी

हैदराबाद टेस्ट में दूसरे दिन तक दबाव में रहने के बाद इंग्लैंड टीम चौथे दिन लंच तक हावी हो चुकी है। टीम दूसरी पारी में 420 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ओली पोप दोहरा शतक बनाने से चूक गए, वह 196 रन बनाकर आउट हुए। भारत को पहला टेस्ट जीतने के लिए 231 रन का टारगेट मिला है। फिलहाल चौथे दिन का लंच ब्रेक चल रहा है। टीम इंडिया दूसरे सेशन में अपनी आखिरी पारी शुरू करेगी। टारगेट हासिल करने के लिए टीम के पास 5 सेशन का समय है। दूसरी पारी में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 4 और रविचंद्रन अश्विन ने 3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा को 2 और अक्षर पटेल को 1 विकेट मिला। पहली पारी में इंग्लैंड ने 246 और भारत ने 436 रन बनाए थे।

हार्टले-पोप ने की फिफ्टी पार्टनरशिप: नंबर-9 पर बैटिंग करने उतरे टॉम हार्टले ने ओली पोप के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। दोनों ने इसके लिए महज 62 गेंदें ही लीं। इंग्लैंड का 7वां विकेट 339 रन के स्कोर पर गिरा था। इंग्लैंड ने 86वें ओवर में 350 रन पूरे कर लिए। पोप ने रविचंद्रन अश्विन के ओवर में सिंगल लेकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। इसी के साथ इंग्लैंड की लीड भी 160 रन की हो गई।

इंग्लैंड दूसरी पारी में 420 रन पर ऑलआउट

इंग्लैंड की टीम ने चौथे दिन के पहले सेशन में 4 विकेट गंवाए, इसी के साथ उनकी दूसरी पारी भी खत्म हो गई। टीम ने सेशन में कुल 104 रन बनाए। भारत ने 25.1 ओवर गेंदबाजी की। ओली पोप ने दूसरी पारी में 196 रन बनाए। सेशन में जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। जबकि अश्विन और जडेजा को भी एक-एक सफलता मिली। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में 420 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जसप्रीत बुमराह ने ओली पोप को बोल्ड कर टीम की पारी समेटी। बुमराह ने पारी में 4 विकेट लिए, उन्होंने पहली पारी में भी 2 विकेट लिए थे। दूसरी पारी में रविचंद्रन अश्विन ने 3 और रवींद्र जडेजा ने 2 विकेट लिए। एक सफलता अक्षर पटेल को भी मिली।

राहुल ने पोप का कैच छोड़ा

केएल राहुल ने सेकेंड स्लिप में ओली पोप का आसान कैच छोड़ दिया। 95वें ओवर में मो. सिराज ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच बॉल फेंकी। पोप कट करने गए लेकिन बॉल स्लिप में खड़े राहुल के पास चली गई। राहुल ने कैच पकड़ने की कोशिश की लेकिन उनके हाथ से कैच छूट गया। जीवनदान के वक्त पोप 186 रन पर बैटिंग कर रहे थे। 110 रन के स्कोर पर अक्षर पटेल ने भी उनका कैच छोड़ा था।

पोप दोहरा शतक चूके, बुमराह ने बोल्ड किया

जसप्रीत बुमराह ने ओली पोप को बोल्ड कर इंग्लैंड को 10वां झटका दिया। ओली पोप 196 रन बनाकर आउट हुए, वह स्कूप मारने की कोशिश कर रहे थे लेकिन बॉल मिस कर गए। उन्होंने पारी में 21 चौके लगाए। रवींद्र जडेजा ने मार्क वुड को कॉट बिहाइंड कराकर इंग्लैंड को 9वां झटका दिया। 102वें ओवर की आखिरी बॉल जडेजा ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। वुड ड्राइव करने गए लेकिन विकेटकीपर के हाथों कैच हो गए। वह खाता भी नहीं खोल सके। अश्विन ने हार्टले को बोल्ड किया वहीं रविचंद्रन अश्विन ने टॉम हार्टले को बोल्ड कर इंग्लैंड को 8वां झटका दिया। 101वें ओवर की पहली ही बॉल पर अश्विन ने भारत को सफलता दिलाई। हार्टले 34 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने ओली पोप के साथ 80 रन की पार्टनरशिप की। टॉम हार्टले तेजी से रन बनाकर ओली पोप के साथ इंग्लैंड को 400 रन के पार पहुंचा चुके हैं। टॉम हार्टले तेजी से रन बनाकर ओली पोप के साथ इंग्लैंड को 400 रन के पार पहुंचा चुके हैं। इंग्लैंड ने 96वें ओवर में 400 रन पूरे कर लिए। ओली पोप ने रवि अश्विन के खिलाफ एक रन लेकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। इसी के साथ टीम की बढ़त भी 210 रन की हो गई। 2013 के बाद भारत में कोई भी विदेशी टीम दूसरी पारी में 300 रन नहीं बना सकी थी। इंग्लैंड ने 400 रन का आंकड़ा पार कर नया रिकॉर्ड बनाया।

आरसीबी ने नादिन डी क्लार्क को शामिल किया

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेंगी

धर्मशाला, एजेंसी

इंग्लैंड विमेंस टीम की कप्तान और ऑलराउंडर हीथर नाइट डब्ल्यूपीएल (विमेंस प्रीमियर लीग) से बाहर हो गई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारतीय लीग से नाम वापस लिया है। नाइट डब्ल्यूपीएल की टॉप प्लेयर्स में से एक है। उन्होंने पिछले सीजन में बेंगलुरु की ओर से 8 मैचों में 135 रन बनाए और 4 विकेट लिए। फ्रैंचाइज ने नाइट की जगह साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को टीम में शामिल किया।

डब्ल्यूपीएल के सीजन-2 की शुरुआत 23 फरवरी से होगी। टूर्नामेंट का ओपनिंग मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। लीग करीब 4 सप्ताह तक चलेगी। वहीं, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच मुकाबले 19 मार्च से 7 अप्रैल तक होंगे। साउथ अफ्रीका की ऑलराउंडर नादिन डी क्लार्क को कुल 46 टी-20 मैचों का अनुभव है। क्लार्स राइट हैंड बल्लेबाजी के साथ ही मीडियम पेस बॉलिंग करती है। उन्होंने 46 मैचों में कुल 419 रन बनाए और 35 विकेट लिए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए टीम से जुड़ेंगी: मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नाइट ने इस साल बांग्लादेश में होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से इंग्लैंड के साथ जुड़ने का मन बनाया है। इसमें समान सैलेरी भी एक हिस्सा है। डब्ल्यूपीएल में प्लेयर्स की सैलेरी 30 लाख रुपए से लेकर 3.2 करोड़ रुपए तक है, जबकि कुछ खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजी और इंग्लैंड दोनों की कोर टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड की विमेंस टीम की मैच फीस में हालिया बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल उनकी सैलेरी मेंस टीम के बराबर कर दी गई है। माना जाता है कि कप्तान के रूप में नाइट ने खुद को पूरे न्यूजीलैंड दौरे के लिए उपलब्ध रखा है। इंग्लैंड की बल्लेबाज लौरेन बेल ने भी कुछ दिन पहले ही डब्ल्यूपीएल से नाम वापस लिया था।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

नवाजुद्दीन ने होली पर पी थी ठंडाई, दो दिन तक नशे में थे

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बताया कि वो रोज शराब नहीं पीते हैं। जब कभी पीते भी हैं, तो बहुत थोड़ा ही कंज्यूम करते हैं। यह भी खुलासा किया कि उन्होंने होली पर ठंडाई पी ली थी और दो दिन नशे में थे। एक इंटरव्यू में होस्ट ने नवाज से उनकी फेवरेट शराब के बारे में पूछा। जवाब में उन्होंने कहा- मैं तो कभी कभार वाला हूं और थोड़ा वाला हूं। एक में ही औकात याद आती है। फिर होस्ट ने पूछा कि उन्होंने पहली बार शराब कब पी थी। नवाज ने बताया, 'जब मैं एनएसडी में था, तब पहली बार बीयर पी थी। एक प्ले के बाद सभी पार्टी करने के लिए इकट्ठा हुए थे, सभी ने बीयर खरीद लाई थी। इससे पहले मैंने कभी भी शराब को हाथ नहीं लगाया था। मैं बहुत मासूम था, हमारे यहां वैसे भी शराब जैसी चीजों को हराम समझा जाता है। प्ले में ही पहली बार स्मोक भी किया था। नवाजुद्दीन ने कहा कि उन्हें शराब पीना ज्यादा पसंद नहीं है, लेकिन वह होली के दौरान थोड़ी शराब पीना पसंद करते हैं। इस बारे में उन्होंने कहा- मेरा पसंदीदा त्योहार होली है। वजह यह भी है कि इस त्यौहार में पीने को मिलता है। उन्होंने आगे बताया कि एक बार प्लेबैक सिंगर स्वानंद किरकिरे ने उन्हें होली पर ठंडाई पिलाई थी, जिसके बाद वो बेकाबू हो गए थे। 2 दिन के बाद वो नॉर्मल हो पाए थे। होस्ट ने नवाज से यह भी सवाल किया कि क्या कभी उन्होंने लीगल जगह पर कंज्यूम किया है। जवाब में नवाज ने कहा- अच्छा लगता है, मुझे तो बहुत अच्छा लगता है। मुझे मजा आता है। साथ में म्यूजिक भी प्ले करता हूं, फिर तो कुछ और ही हो जाता हूं। फिल्म हड्डी में नवाज ने ट्रांसजेंडर का रोल प्ले किया था। नवाज ने करियर की शुरुआत 1999 में आई फिल्म सरफरोश से की। हालांकि इसमें उनका छोटा सा रोल था। इस शुरुआत के बारे में किसी को खबर तक नहीं हुई। 2012 तक नवाज ने कई छोटी-बड़ी फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें कोई खास पहचान नहीं मिली। फिर अनुराग कश्यप उन्हें फैजल बनाकर गैंग्स ऑफ वासेपुर में लाए और फैजल के रोल ने उन्हें घर-घर में पॉपुलर बना दिया।

फिल्ममेकिंग पर कोई असर नहीं हुआ- प्रशांत

'हनुमान' फेम डायरेक्टर प्रशांत वर्मा ने तेलुगु सुपरस्टार प्रभास स्टारर 'आदिपुरुष' पर बात करते हुए कहा कि वो फिल्म के कुछ सीक्वेंस से हर्ट हुए हैं। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इस फिल्म पर बात करते हुए प्रशांत ने कहा कि इसमें कुछ कमाल के सीक्वेंस थे जिन्हें देखकर मैं दंग रह गया, तो वहीं कुछ ऐसे सीन भी थे जिन्हें देखकर मुझे दुख हुआ। 'आदिपुरुष' देखकर मेरी इंटरव्यू में जब प्रशांत से पूछा गया कि क्या उन्होंने 'आदिपुरुष' को एक सबक के तौर पर देखा ताकि वो अपनी फिल्म में वो गलतियां ना करें जो उस फिल्म में की गई हैं.. तो डायरेक्टर ने कहा, 'बिल्कुल नहीं। भले ही यह फिल्म बनती या नहीं उससे मुझे कोई फर्क नहीं प?ता। मैं अपनी फिल्म वैसे ही बनाता जैसा मैंने इसे बनाया है।

अगर मैंने 'आदिपुरुष' भी बनाई होती तब भी मैं वो गलतियां नहीं करता जो उस फिल्म के मेकर्स ने की। यह मेरा फिल्ममेकिंग स्टाइल ही नहीं है। इस फिल्म से मेरी फिल्ममेकिंग पर कोई असर नहीं पड़ा।' लगभग 500 करोड़ के बजट में बनी आदिपुरुष ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 135 करोड रुपए और वर्ल्ड वाइड 179 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।

मॉडलिंग के बाद मिली शहनाज गिल को सलमान की फिल्म

बिग बॉस 13 से मशहूर हुईं शहनाज गिल ने शो तो नहीं जीता, लेकिन वो उस सीजन की सबसे चर्चित कंटेंस्टेंट रहीं। महज 21 साल की उम्र में जब शहनाज ने मॉडलिंग शुरू की, तो परिवार इसके खिलाफ था। जब शहनाज के परिवार वाले उन पर शादी का दबाव बनाने लगे, तो उन्होंने घर छोड़ दिया। शहनाज की जिंदगी की एक ट्रेजेडी वो रही, जब उनका बॉयफ्रेंड उन्हें रोते हुए सड़क पर छोड़ गया। शहनाज कई बार रिश्तों और हालातों से हार कर आत्महत्या करना चाहती थीं, लेकिन उनकी किस्मत में कुछ और ही लिखा था। बिग बॉस 13 में उनकी नजदीकियां सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ीं। दोनों ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर बात नहीं की, लेकिन हर कोई दोनों के रिश्ते से वाकिफ था। शहनाज ने पहले पंजाबी फिल्म हौसला रख से कमबैक किया और फिर सलमान खान ने खुद उनकी मदद कर उन्हें फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड डेब्यू करने का मौका दिया। शहनाज कई लग्जरी गाड़ियों की मालकिन हैं। शहनाज हमेशा से ही अपने घर की लाडली रही थीं, लेकिन जब शहनाज ने मॉडलिंग करने की जिद नहीं छोड़ी, तो पिता से उनके रिश्ते बिगड़ गए। शहनाज को मॉडलिंग से दूर रखने के लिए उनके पिता चाहते थे कि वो शादी कर लें, लेकिन वो नहीं मानीं। बेहद सुंदर हुआ करती थीं, तो उन्हें लगातार काम मिलता रहता था, लेकिन काम के साथ उनकी पिता से अनबन भी बढ़ती जा रही थी। एक दिन उनका झगड़ा इस कदर बढ़ा कि शहनाज ने मॉडलिंग और एक्टिंग के लिए घर छोड़ दिया।

सर्दी में बढ़ जाता शरीर में *वात* दोष, इससे ही होती है दिक्कत

आयुर्वेद के अनुसार, हर ऋतु का महत्व सेहत के लिए अलग होता है। इसमें हेमंत व शिशिर सबसे अच्छी, शरद व बसंत मध्यम और वर्षा व ग्रीष्म, सेहत के हिसाब से सबसे खराब हैं। अब ग्रीष्म बीत चुकी है और नवरात्र के बाद शरद शुरू हो जाएगी। ग्रीष्म और वर्षा ऋतुओं में शरीर में वात दोष का संचय हो जाता है। इसके कारण ही सर्दी में जोड़ों में दर्द, मौसमी बीमारियों का प्रकोप आदि की आशंका रहती है। ऐसे में अभी से कुछ बातों का ध्यान रखेंगे तो सर्दी में भी सेहतमंत रह सकेंगे।

श्राद्ध के साथ ध्यान रखें

श्राद्धों में मीठा जैसे खीर, मालपुए आदि दूसरी मीठी चीजें ज्यादा बनती हैं। ये सभी आयुर्वेद के अनुसार ही तय हैं। ये मीठी चीजें खाने से शरीर में वायु दोष बढ़ जाता है, ताकि उसकी पहचानकर उसे शरीर से निकाला जा सके। श्राद्ध में कांजीबड़ा भी खाने का चलन है। मीठा वायु दोष बढ़ाता है, कांजीबड़ा पेट साफ करता है। इससे शरीर के सभी दोष बाहर निकल जाते हैं।

शरीर शुद्धि के तीन तरीके

विरेचन : इसमें दस्त के माध्यम से शरीर में मौजूद दोषों को दूर किया जाता है। इसके लिए सबसे उपयुक्त समय श्राद्धपक्ष होता है। इसके लिए आयुर्वेदिक औषधियों की भी मदद ले सकते हैं।

वृहंगन: इसमें पौष्टिक खाने की शुरुआत करने का समय है। इसकी शुरुआत दशहरे से या दीपावली तक कर सकते हैं। इस दौरान उन चीजों को अधिक खाना चाहिए, जो पेट की अग्नि को बढ़ाते हैं और शरीर को बल मिलता है। इनमें मोठ, मूंग, बाजरा, मक्का आदि शामिल किए जाते हैं। इसके साथ ही इस दौरान खीर, मालपुए, लापसी, सर्दी के लड्डू आदि भी खाना शुरू कर देना चाहिए।

जोड़ों में दर्द है तो अभी से यह शुरू करें

रोजाना एक चम्मच दानामेथी अभी से खाना शुरू कर दें। दानामेथी खाली पेट सुबह गुनगुने पानी से लें। एक मुट्ठी सहजन की पत्तियों को उबालकर आधा रहने पर उसका काढ़ा पीएं। अश्वगंधा, नागर मोथा और सोंठ का चूर्ण बनाकर एक चम्मच रोज लें। चतुर्बीज भी पंसारी की दुकान से लेकर एक-एक चम्मच सुबह-शाम लें।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए

रोज गिलोय का काढ़ा पीना शुरू करें। 50 ग्राम कच्चा या 10 ग्राम सूखे गिलोय को उबालकर आधा होने पर गुनगुना ही पीएं। एलर्जी से बचाव के लिए कच्ची हल्दी को दूध में पीपली के साथ उबालें और गुड़ के साथ गुनगुना ही पीएं। सुबह 3-4 कालीमिर्च को गुड़ के साथ रोज लेना शुरू करें। अभी से लौंग का पानी पीना शुरू कर दें।

पेट संबंधी दिक्कतों में करें इनका सेवन

सौंफ, सोंठ और मिश्री को मिलाकर रोज एक-एक चम्मच लेना शुरू करें। जिन्हें भूख कम लगती है, उन्हें आधा नींबू पर कालीमिर्च पाउडर सेंधा नमक के साथ गर्म कर चूसें। जिन्हें कोलेस्ट्रॉल की समस्या है त्रिकटु भी नींबू के साथ दें। अनार आदि भी खाएं। नींबू का सेवन मुंह के जायके में भी सुधार करता है। इसे नींबू पानी व सेंधा नमक मिलाकर ले सकते हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो। परवलिया सड़क थाना क्षेत्र स्थित गांव मुगालिया हाट में शनिवार शाम अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। युवक को गंभीर अवस्था में एंबुलेंस उसे हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंची थी, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग?कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार जगदीश पिता मनफूल (27) पान विहार कॉलोनी सीहोर में रहता?था। कल शाम वह भोपाल आ रहा था, तभी मुगालिया हाट हाइवे पर उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। राहगीरों ने एंबुलेंस को घटना की जानकारी दी और एंबुलेंस उसे लेकर हमीदिया अस्पताल पहुंची थी। गंभीर चोट होने के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक की तलाशी लेने के बाद उसकी शिनाख्त करते हुए परिजन को घटना की जानकारी दी थी। आज पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण करेगी।

युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। अयोध्या नगर?थाना क्षेत्र स्थित काकड़ा क्रशर बस्ती में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। आज पीएम के बाद परिजन को शव सौंपा जाएगा। पुलिस के अनुसार पूनम बंजारा विजय सिंह बंजारा (22) काकड़ा क्रशर बस्ती, अयोध्या नगर में रहती थी। परिजन ने बताया कि शनिवार रात उसकी तबीयत बिगड़ गई। तेज बुखार होने के कारण वह उसे लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद पूनम को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है।

काम के दौरान करंट लगने से दो मजदूर झुलसे, प्रबंधक पर केस दर्ज

भोपाल। अशोका गार्डन स्थित एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान दो मजदूर करंट लगने से झुलस गए। दोनों को इलाज के लिए हमीदिया स्थित बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने फैक्ट्री प्रबंधक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक प्रकाश पवार (32) मूलत- बैतूल का रहने वाला है। फिलहाल वह सुभाष कालोनी अशोका गार्डन में रहता है और औद्योगिक क्षेत्र स्थित अंबिका फैक्ट्री में काम करता है। गुरवार सुबह करीब नौ बजे प्रकाश काम पर पहुंचा था। उसके साथ गंजबासौदा विदिसा निवासी अजय पंथी (28) भी काम करता है। शाम करीब साढ़े पांच बजे दोनों फैक्ट्री की ऊपरी मंजिल पर रखा लोहे का पाइप लेने के लिए पहुंचे थे। जब वह पाइप को निकाल रहे थे, तभी पाइप ऊपर से निकल रही बिजली की लाईन से टच हो गया, जिससे दोनों को जोरदार करंट लगा। प्रकाश के हाथ-पैर झुलस गए, जबकि अजय के हाथ-पैर और शरीर झुलस गया। फैक्ट्री की महिला मैनेजर ने दोनों को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने प्रकाश की रिपोर्ट पर फैक्ट्री प्रबंधक के खिलाफ सुरक्षा में लापरवाही बरतने का केस दर्ज कर लिया है।

चिकन शॉप संचालक से रकम लेकर कंपनी में नहीं की जमा

चिकन सप्लाई करने वाली कंपनी के ब्रांच मैनेजर ने किया 9 लाख का गबन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देशभर में चिकन सप्लाई करने वाली राजनांदगांव की कंपनी के ब्रांच मैनेजर ने कंपनी को 9 लाख का चूना लगा दिया। इस कंपनी की ब्रांच ऑफिस यहां जेके रोड पर है। आरोपी ने एक चिकन शॉप संचालक से 50 पैसा प्रति किलो के हिसाब से नगद राशि हासिल की और उसे कंपनी में जमा नहीं किया। मामले का खुलासा उस समय हुआ जब चिकन शॉप संचालक के ऊपर लगभग 9 लाख रुपए की उधारी निकली। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी ब्रांच मैनेजर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक बाफना कॉलोनी निवासी रईस खान (40) की काजीकैंप इलाके में बाबे चिकन शॉप नाम से दुकान है। वह देशभर में चिकन सप्लाई करने वाली कंपनी एबिस प्राइवेट लिमिटेड से चिकन मंगाते थे। इस कंपनी का ब्रांच ऑफिस यहां जेके रोड इन्द्रपुरी में है। इसके ब्रांच मैनेजर अजीत सिंह है। एक सितंबर 2021 से 31 मार्च 2023 के बीच रईस खान ने उक्त कंपनी से चिकन मंगाया था। उसका पूरा पैमेंट वह समय पर करते थे। पिछले दिनों कंपनी की ओर से 9 लाख पांच हजार 159 रुपए की उधारी निकलने पर रईस खान ने कंपनी के हैड ऑफिस में संपर्क किया। वहां से पता चला कि उक्त रकम कंपनी के भोपाल ब्रांच के ब्रांच मैनेजर अजीत सिंह ने हड़प किए है। इस मामले में फरियादी ने शिकायती आवेदन पिपलानी पुलिस को दिया था। एसआई अनंत सिंह परिहार ने बताया कि आरोपी अजीत सिंह ने कंपनी की ओर से फर्जी दस्तावेज तैयार कर रईस खान से कहा था कि चिकन सप्लाई की रकम में से प्रति किलो 50 पैसे उसे नगद देना होगा। शेष रकम वह कंपनी को ऑनलाइन भेज सकता है। दस्तावेज की लिखा-पढ़ी के आधार पर रईस खान ने प्रति किलो 50 पैसे के हिसाब से नगद राशि अजीत सिंह को देना शुरू कर दी। सितंबर 2021 से मार्च 2023 के अंतराल में यह राशि 9 लाख पांच हजार 159 रुपए हो गई थी। आरोपी अजीत सिंह ने यह राशि कंपनी में जमा न कर अपने पास रख ली थी। पुलिस ने धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ड्राय-डे पर एक दर्जन अवैध शराब तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पर राजधानी में ड्रायडे होने के कारण शराब दुकानें बंद थी। ऐसे में अवैध शराब बेचने वाले सक्रिय रहे। पुलिस ने करीब एक दर्जन अवैध शराब बेचने वाले तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से हजारों की शराब जब्त की है। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक जहांगीराबाद पुलिस ने जावेद खान से 1080 रुपए, हबीबगंज पुलिस ने मेघराज से 2 हजार और नसीम खान से तीन हजार रुपए, अशोका गार्डन में शिवशंकर से 1260 रुपए, अयोध्या नगर में विकास कठोतिया से 1980 रुपए और अंकित शर्मा से 2200 रुपए, गोविंदपुरा में दिलीप बौद्ध से 1900 रुपए की शराब जब्त हुई। गौतम नगर में रोहित नरवरिया से 1700 रुपए, कोलार में संदीप अहिरवार से 1 हजार रुपए, बैरागढ़ में पुरुषोत्तम भोज से 1235 रुपए, मनोज कुमार से 1235 रुपए और मनोज नागर से 1300 रुपए की अवैध शराब जब्त हुई। इधर परवलिया पुलिस ने बुंदेल सिंह मीना से 1170 रुपए की अवैध शराब जब्त की है। सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

परिचय सम्मेलन

भोपाल। चार इमली स्थित राजपूत समाज भवन में राजपूत समाज का युवक युक्ति परिचय सम्मेलन में अपना परिचय देते हुए युवक युवतियां। -फोटो : निर्मल व्यास

स्कूटर सवार एमबीए छात्रों को अज्ञात कार ने मारी टक्कर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ इलाके में स्कूटर सवार एमबीए छात्रों को अज्ञात कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से स्कूटर खंबे से टकराने के बाद गड्ढे में जा गिरी, जिससे एक छात्र को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक कृष्णा सिंह (21) कर्मवीर नगर थाना अयोध्या नगर में रहता है और निजी कालेज से एमबीए की पढ़ाई कर रहा है। बुधवार की रात करीब पौने दस बजे वह अपनी स्कूटर से केरवा से कोलार की तरफ जा रहा था। स्कूटर उसका दोस्त अमनजीत चला रहा था। दोनों जैसे ही कलिया सोत रोड पर पुलिया के आगे पहुंचे, तभी पीछे से आ रही सफेद रंग की अज्ञात कार ने उनकी स्कूटर में कट मार दी। कट लगते ही स्कूटर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे से टकराई और फिर खाईनुमा गड्ढे में जा गिरी। इससे दोनों छात्रों को चोट आई। कृष्णा ने घटना की जानकारी अपने दोस्तों को दी, जिसके बाद दोस्त उन्हें इलाज के लिए बंसल अस्पताल लेकर पहुंचे। कृष्णा को हल्की चोट लगी थी, जबकि गंभीर रूप से घायल अमनजीत को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को कृष्णा ने थाने पहुंचकर अज्ञात कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट के केस दर्ज करवाया।

टहलने निकली महिला को पालतू कुत्ते ने काटा, केस दर्ज

भोपाल। हबीबगंज स्थित अरेरा कालोनी में रहने वाली एक महिला को पालतू कुत्ते ने काट लिया। पुलिस ने मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार अरेरा कालोनी में रहने वाली तरनजीत (57) स्वयं का व्यवसाय करती हैं। शुक्रवार शाम करीब सात बजे वह टहलने के लिए घर से निकली थी। ई-2 अरेरा कालोनी में रहने वाले दीपक श्रीवास्तव के बंगले का गेट खुला हुआ था, तभी उनका पालतू कुत्ता बाहर निकला और तरनजीत के पैर में काट लिया। घटना के तरनजीत ने अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया और फिर थाने जाकर दीपक के खिलाफ केस दर्ज करवाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

काम के दौरान सर्पदंश के चलते युवक की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बिलखिरिया इलाके में काम के दौरान सर्पदंश के चलते एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक राजू कुमार कौशिक पुत्र नानकराम (48) राजीव नगर ए-सेक्टर अयोध्या नगर में रहता था। शुक्रवार को वह ग्राम बासिया में काम करने पहुंचा था, तभी उसे किसी सर्प ने डस लिया। राजू कुमार को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

मेट्रो एंकर सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की तलाश

एम्स के कर्मचारी से मोबाइल लूटकर भागे बाइक सवार लुटेरे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित द्वारिका परिसर के सामने बेटी से मोबाइल पर वीडियो कॉल पर बातचीत कर रहे एम्स के कर्मचारी से बाइक सवार लुटेरों ने मोबाइल झपट लिया। घटना की शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। बागसेवनिया में यह एक महीने में लूट का तीसरा मामला है।

पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार अरविंद विहार बागसेवनिया निवासी 30 साल के कपिल कुमार दर्जी एम्स में नौकरी करते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि गत 10 जनवरी की शाम वह घर से दूध लेने के लिए निकले थे। द्वारिका परिसर के सामने पहुंचते ही उन्होंने अपनी बेटी को वीडियो कॉल किया और बातचीत करने लगे। इसी बीच पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों ने उनके हाथ से मोबाइल झपट लिया। वे कुछ कर पाते इससे पहले ही लुटेरे मौके से भाग निकले। घटना के बाद वे अपने गांव उदयपुर राजस्थान चले गए थे। वहां से शनिवार को लौटे और पुलिस को घटना की शिकायत की। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है?कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए है। एक फुटेज में संदिग्ध नजर आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

अधिक मात्रा में शराब पीने से युवक की मौत

भोपाल। बिलखिरिया इलाके में अधिक मात्रा में शराब पीने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बलराम केवट पुत्र ओमकार केवट (27) ग्राम आदमपुरी छावनी में रहता था और प्रायवेट काम करता था। अधिक मात्रा में शराब पीने के कारण बेहोश की हालत में भाई सेवाराम उसे इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद बलराम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजनों को सौंप दी है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-4917524, 2972022